तापमान
अधिकतम 35 .8 डिग्री
न्यूनतम 21.9 डिग्री

हरिभूमि
जीटी रोड भूमि
रोहतक, रविवार, 14 सितंबर, 2025

12 पुलिस पब्लिक चैस चैंपियनशिप में 300 ने लिया हिस्सा

12 इंडस्ट्रियल क्षेत्र में व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए समिति गठित

खबर संक्षेप

जानलेवा हमले के छह आरोपी गिरफ्तार

पानीपत। सीआईए वन की टीम ने थाना माडल टाउन क्षेत्र के फौजी नगर में जमीनी विवाद में पिस्तौल से धर्मराज व इसके भाई सुरेंद्र पर जानलेवा हमला करने मामले में एक नाबालिग समेत शांति नगर निवासी संदीप, खुखराना गांव निवासी सुमित उर्फ मित्तू, सौंधापुर गांव निवासी विकास उर्फ मोटा, उंटला गांव निवासी दीपक उर्फ दीपू व घरौंडा निवासी रजत उर्फ लवली को गिरफ्तार किया है। डीएसपी सुरेश सैनी ने बताया कि कोर्ट ने आरोपी दीपक व संदीप को न्यायिक हिरासत जेल भेज दिया व सुमित, विकास व रजत को 5 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया।

मोबाइल शॉप से नकदी चोरी के दो आरोपी पकड़े

पानीपत। सीआईए टू पुलिस टीम ने मतलौडा में मोबाइल की दुकान से नगदी चोरी करने वाले दो आरोपियों संतोष पुत्र टोप बहादुर निवारी थर्मल कॉलोनी व सोनू पुत्र अशोक निवासी गांव झांसा कुरूक्षेत्र को गिरफ्तार किया है। सीआईए टू प्रभारी इंस्पेक्टर सुमित सरोहा ने बताया कि चोरी की उक्त वारदात बारे थाना मतलौडा में कालखां गांव निवासी विरेंद्र पुत्र शीशपाल की शिकायत पर केस दर्ज है। वहीं, दोनों आरोपी कुख्यात अपराधी है। आरोपी संतोष पर चोरी के सात, सोनू पर पानीपत, करनाल, अंबाला, कुरूक्षेत्र, सोनीपत सहित पंजाब में 30 से ज्यादा केस दर्ज है।

बिजली कार्य में बाधा डालने का आरोपी काबू

कैथल। बिजली विभाग के कर्मचारियों के कार्य में बाधा उत्पन्न, मारपीट करने के मामले में आरोपी पबनावा निवासी सुल्तान को गिरफ्तार कर लिया गया। शिकायत अनुसार 5 सितंबर को निगम के जेई गांधी लेगा की टीम पबनावा गांव में बिजली लाइन पर काम करने के लिए गई थी। गांव के सुल्तान ने कार्य में बाधा उत्पन्न की। आरोपी ने निगम व ठेकेदार के कर्मचारियों को धमकाया। साथ ही मौके पर मौजूद महिला सदस्यों ने भी कार्य में रुकावट डाली।

बरसात में जिन सड़कों की स्थिति खराब हुई अधिकारी वहां तुरंत करें काम शुरू : नायब

मुख्यमंत्री सैनी ने वीडियो कांफ्रेंस कर सड़कों की स्थिति का लिया जायजा

- 1 अक्टूबर से सौंदर्यीकरण का कार्य होगा शुरू : उपायुक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जलभराव, बरसात की स्थिति अब सामान्य हो गई है। कुछ दिनों पहले ही स्थिति के कारण सड़कों की हालत खराब है। इस स्थिति को ठीक करने के लिए सभी अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों को दौरा करके सड़कों की हालत में सुधार करें। जिस कारण पर पैच वर्क की जरूरत है, वो तुरंत प्रभाव से पूरी होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि जहां पर हालत खराब है, उस सडकों का नए सिरे से निर्माण किया जाए। पानी की क्रॉसिंग के लिए जहां से सड़क में कट लगाए गए हैं, वहां पर पुलिया का निर्माण किया जाए। पिहोवा-पटियाला मार्ग का निर्माण कार्य प्राथमिकता से शुरू करवाया जाना है। किसी भी सड़क के सबसे पहले गड्ढे भरे जाएं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से अधिकारियों की बैठक ले रहे थे। उन्होंने पीडब्ल्यूडी, शहरी निकाय, जिला परिषद, मार्केटिंग बोर्ड, एचएसवीपी की सभी सड़कों की स्थिति को लेकर समीक्षा की। इस दौरान उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा को निर्देश दिए कि वह थानेसर शहर के सेक्टर-30 की सभी सड़कों को स्वयं चेक करें और उनकी रिपोर्ट बनाकर मुख्यालय में भेजें,साथ ही उन सड़कों को ठीक करने के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू करें। इसी तरह इस्माईलाबाद, पिहोवा, लाडवा और शाहाबाद शहर की सड़कों का भी डाटा तैयार कर, उन्हें भी ठीक करवाना सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने पीडब्ल्यूडी विभाग के एक्सईएन को निर्देश दिए कि वह सुंदरपुर चौक के पास सड़क में गड्ढों की समस्या का स्थाई समाधान करें। बार-बार पैचवर्क करने के बावजूद भी इस टुकड़े की समस्या ज्यों की त्यों बने हुए हैं।

कुरुक्षेत्र। वीसी में मौजूद उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा व अन्य अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

सौंदर्यीकरण महाभारत से जोड़कर किया जाएगा

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि कुरुक्षेत्र शहर के सभी चौकों का सौंदर्यीकरण महाभारत से जोड़कर किया जाएगा। इस कार्य को केडीबी द्वारा करवाया जाएगा। उन्होंने उपायुक्त को केडीबी के अधिकारियों से बातचीत कर योजना बनाने के निर्देश दिए। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने बताया कि इन चौकों के डिजाइन को लेकर केडीबी अधिकारियों और डिजाइन एजेंसी से बातचीत की गई है, जल्द ही डिजाइन बनकर तैयार हो जाएंगे। इनमें से पिपली चौक को मॉडल चौक के तौर पर गीता जयंती समारोह से पहले तैयार किया जाएगा जिला प्रशासन द्वारा प्रयास किया जा रहा है कि 1 अक्टूबर से इस चौक के सौंदर्यीकरण का कार्य शुरू कर दिया जाए।

15 अक्टूबर तक होगा सड़कों का निर्माण

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने बताया कि जिला में पीडब्ल्यूडी विभाग की 249 सड़कें है, 1190 किलोमीटर का क्षेत्र कवर करती हैं। इनमें से खस्ताहाल 196 किलोमिटर सड़क की रिपेयर की जाएगी। उन्होंने बताया कि पूजा स्कूल, जिंदल, पिपली चौक के क्षेत्र में 10 सड़कों का 12 करोड़ 70 लाख की लागत से निर्माण का कार्य आज से शुरू किया गया है, 15 अक्टूबर तक इन सभी सड़कों का निर्माण पूरा कर लिया जाएगा इस निर्माण के पूरा होने से इश्क क्षेत्र के लोगों को काफी लाभ मिलेगा। उपायुक्त ने कहा कि ठोल मार्ग का टेंडर, वर्क अलॉट सहित सभी कार्य हो चुके हैं। इस रोड का 20 सितंबर से निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। इसी तरह पिहोवा से पटियाला मार्ग का निर्माण भी 20 सितंबर से शुरू करवाया जाना है। लाडवा रादौर मार्ग पर लाडवा शहर में कारपेटिंग का कार्य शुरू करवा दिया गया है। उन्होंने कहा कि नेशनल हाईवे 152 डी पर शाहाबाद व पिहोवा में स्थिति खराब पाए जाने पर 153 का नोटिस दिया गया। खराब स्थिति को जल्दी ठीक करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि जलभराव की स्थिति में विभिन्न सड़कों पर 22 कट लगाए गए थे, इनमें से 21 कट्टों में पाइप लाइन बिछाकर पुलिया निर्माण किया जा रहा है।

आचार्य देवव्रत को सौंपा महाराष्ट्र राज्यपाल का अतिरिक्त कार्यभार, गुरुकुल परिवार ने लड्डू बांटे

ढोल की थाप पर झूमे छात्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

गुजरात के राज्यपालश्री एवं गुरुकुल कुरुक्षेत्र के संरक्षक आचार्य देवव्रत को माननीय उप राष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन द्वारा महाराष्ट्र के राज्यपाल का अतिरिक्त दायित्व दिया गया है। आचार्य देवव्रत की कार्यकुशलता और उन्नत कार्यशैली को देखते हुए भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने उन्हें यह दोहरी जिम्मेदारी सौंपी है, जिसे लेकर पूरे गुरुकुल परिवार में उत्साह का माहौल है।

आज गुरुकुल कुरुक्षेत्र में इसी संदर्भ में एक विशेष यज्ञ कराया गया, तत्पश्चात गुरुकुल परिसर में लड्डू बांटे गए। गुरुकुल के ब्रह्मचारियों ने ढोल की थाप पर झूमकर अपनी खुशी व्यक्त की, वहीं गुरुकुल के प्रधान राजकुमार गर्ग, निदेशक ब्रिगेडियर डॉ. प्रवीण कुमार, प्राचार्य सूबे प्रताप, व्यवस्थापक रामनिवास आर्य ने आचार्य के सुपुत्र गौरव आर्य एवं उनकी पुत्रवधु कविता चौधरी को लड्डू खिलाकर बधाई दी। प्रधान राजकुमार गर्ग ने कहा कि यह गुरुकुल ही नहीं अपितु हरियाणा प्रदेश के लिए गर्व की बात है कि आचार्य देवव्रत को यह नई जिम्मेदारी सौंपी गई है, निश्चित तौर पर भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने आचार्य की कर्त्तव्यनिष्ठा और कार्यकुशलता को देखकर यह निर्णय लिया है जिसके लिए गुरुकुल परिवार देश की माननीया राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री का आभारी हैं। निदेशक ब्रिगेडियर डॉ. प्रवीण कुमार ने कहा कि आचार्यश्री हम सभी के प्रेरणास्रोत हैं। एक शिक्षक से देश के इतने ऊंचे संवैधानिक पद तक पहुंचना, इस यात्रा में कितना संघर्ष, कितना त्याग और कितना परिश्रम है, इससे सभी को प्रेरणा लेनी चाहिए। अंत में सभी छात्रों ने भारत माता की जयघोष से पूरा पंडाल गुंजायमान कर दिया।

कुरुक्षेत्र। लड्डू बांटकर मनाई खुशी मनाते गुरुकुल परिवार के सदस्य।

युवक पर चाकू से हमला, नागरिक अस्पताल में दाखिल

अंबाला। महेश नगर स्थित टांगरी बांध पर साकेत अस्पताल के निकट शनिवार सुबह तेजा मोहड़ी गांव के विजय पर चाकू से हमला हो गया। साथी दोस्त ने ही आपसी कहासुनी को लेकर झगड़ा शुरू कर दिया। तैश में आकर चाकू से एक जांघ तो दूसरा पेट में वार किया।

खून से लथपथ हालत में छोड़कर हमलावर फरार हो गया। राहगीरों ने कैंट के नागरिक अस्पताल में घायल को दाखिल करवाया, जहां वह उपचाराधीन है। घायल विजय ने बताया कि वह शनिवार को सुबह सामान लेने के लिए टांगरी बांध पर आया था। तभी एक जानकार युवक मिल गया। उसने देखते ही देखते हाथ में पकड़े चाकू से दो जगह पर वार कर दिए।

लोन छह करोड़ का और घाटा साढ़े सात करोड़ का दिखाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

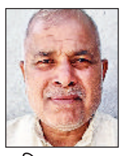

ऋषिपाल

- सनौली सहकारी समिति की शिकायत सीएम सैनी से की

दी सनौली खुर्द सहकारी समिति में नियमों की अनदेखी कर कर्मचारियों की नियुक्ति किए जाने का आरोप लगाते हुए उक्त भर्तियों को रद्द करने व नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ कार्रवाही किए जाने की मांग समिति के पूर्व लिपिक एवं वर्तमान सदस्य गांव तामसाबाद निवासी ऋषिपाल ने रजिस्ट्रार सहकारी समितियां व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से की है।

शिकायत में ऋषिपाल ने आरोप लगाया है कि दी सनौली खुर्द सहकारी समिति मौजूदा समय में साढ़े सात करोड़ घाटा दिखा रही है। हैरानी की बात है कि उक्त समिति के कुल लोन ही छह करोड़ का लिया है। ऋषिपाल ने आरोप लगाया कि उक्त समिति ने बिना आवश्यकता के कोआपरेटिव विभाग के आरसीएस के आदेश से एक कर्मचारी को पहले नौकरी पर लगा लिया है , अब बिना नो डयूज लिए ही बगैर जरूरत के ही एक अन्य कर्मचारी को लगाने की तैयारी की जा रही है। वहीं इस मामले को लेकर समिति के सभी सदस्यों की एक बैठक सोमवार को बुलाई गई है।

गिफ्ट भेजने के नाम पर महिला से ठग लिए करीब चार लाख रुपये

- इंग्लैंड के डॉक्टर ने महिला से शादी करने की बात कही थी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

इंग्लैंड से कोरियर के माध्यम से गिफ्ट भेजने के नाम पर एक महिला से करीब चार लाख 15 हजार रुपये ठग लिए। पुलिस ने साइबर ठगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

मार्डन कालोनी निवासी मीनाक्षी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसके पास एक बेटा है। उसके पति की वर्ष 2002 में मौत हो चुकी है। गत 22 जुलाई को उसके व्हाटसएप पर इंग्लैंड के एक डाक्टर ने मैसेज भेजकर उससे शादी करने की बात कही। इसके बाद दोनों में आनलाइन बातें होने लगी। इस बीच आरोपी ने उसे एक गिफ्ट भेजकर कहा कि वह उसे रिसीव कर लें। इसके बाद एक महिला ने उसे फोन करके बताया कि उसका एक गिफ्ट एयरपोर्ट पर कोरियर द्वारा आया है। उसे रिसीव करने के लिए उसे 30 हजार रुपये भेजने होंगे। आरोपी महिला की बातों में आकर उसने उसके बैंक खाते में पेटीएम द्वारा पैसे भेज दिए। मगर इसके बाद फिर महिला ने फोन करके उसे बताया कि कोरियर में जो गिफ्ट है उसमें काफी कीमती सामान है। जिसे रिसीव करने के लिए उसे 3 लाख 85 हजार और रुपये भेजने होंगे। उसने यह पैसे भी आरोपियों को भेज दिए। मगर इसके बाद आरोपियों ने उससे सात लाख रुपये और भेजे जाने की बात कही। जिस पर उसे अपने आपको ठगी का शिकार होने का शक हुआ। उसने तुरंत साइबर पोर्टल पर शिकायत दी।

मुनाफे का लालच देकर दुकानदार से हड़पे 3.84 लाख रुपये

यमुनानगर। साइबर ठगों ने टास्क पूरा करने पर मुनाफे का लालच देकर दुकानदार से 3 लाख 84 हजार रुपये हड़प लिए गए। गांव बुड़िया निवासी दुकानदार ने पुलिस को बताया कि गत चार जुलाई को मोबाइल पर एक लिंक आया।

इस पर क्लिक करने पर उसके मोबाइल नंबर को टेलीग्राम ग्रुप में जोड़ लिया गया। यहां उसे टास्क पूरे करने पर मुनाफे का लालच दिया गया। उसकी टेलीग्राम पर एक आईडी बना दी गई। इसके बाद पेड टास्क दिए गए। जिसमें 3 लाख 84 हजार रुपये तक लगा दिए। इसका मुनाफा आईडी पर दिखाया गया।

शराब के नशे में धुत पड़ोसी ने 11 साल की बच्ची का काट लिया कान, आरोपी गिरफ्तार

तरावड़ी में बच्चों की कहासुनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तरावड़ी

तरावड़ी कस्बे में शराब के नशे में धुत एक व्यक्ति ने बच्चों की कहासुनी के बाद पड़ोसी की बच्ची पर हमला कर उसका कान काट दिया। बच्ची की मां उसे खून से लथपथ हालत में तरावड़ी सीएचसी लेकर पहुंची, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने कान को पॉलिथीन में डालकर करनाल के सरकारी अस्पताल रेफर कर दिया।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। बच्ची के पिता अजय ने बताया कि वह और उनकी पत्नी दोनों काम पर जाते हैं। पत्नी रोजाना शाम छह बजे तक घर लौट आती है, जबकि वे रात आठ-नौ बजे तक पहुंचते हैं। शुक्रवार को मेरे व पडोसी पंकज के बच्चे आपस में खेल रहे थे। इस दौरान बच्चों में किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। शाम को आरोपी पड़ोसी पंकज उसके घर पहुंचा और गाली- गलोज करने लगा। इस दौरान उसकी पत्नी ने उसके पांव भी पकड़े, ताकि विवाद न बढ़े। उस समय पड़ोसी वहां से चला गया, लेकिन बाद में रात करीब साढ़े 9 बजे वह शराब पीकर लौट आया। उसी समय उनकी 11 साल की नाबालिग बेटी अनमोल घर के पास खड़ी थी। तभी आरोपी ने आते ही आरोपी ने अपने दांतों से उसकी बेटी का कान काट दिया। वार इतना तेज था कि बच्ची का कान पूरी तरह से अलग हो गया। परिजनों ने तत्काल बच्ची को अस्पताल पहुंचाया।

तरावड़ी सीएचसी में डॉक्टरों ने बच्ची को प्राथमिक उपचार दिया। इसके बाद हालत गंभीर देखते हुए उसे करनाल के सरकारी अस्पताल रेफर कर दिया गया। परिवार के अनुसार बच्ची की स्थिति अभी नाजुक बनी हुई है।

बच्ची की हालत अभी गंभीर : एसएचओ

तरावड़ी थाना एसएचओ राजपाल ने बताया कि शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है। बच्ची की हालत अभी गंभीर बताई जा रही है। जिसका इलाज करनाल के अस्पताल में चल रहा है। बताया जा रहा है बच्ची को पीजीआई रेफर किया गया है। आज पुलिस ने आरोपी पंकज को गिरफ्तार कर लिया। अब पुलिस आरोपी से पूछताछ करने में जुटी है।

केंद्रीय रेल एवं जल शक्ति मंत्री ने हथनीकुंड बैराज का किया निरीक्षण

किसानों की सुरक्षा, सरकार की प्राथमिकता : सोमन्ना

- केंद्रीय मंत्री वी. सोमन्ना ने हथनी कुंड बैराज पर यमुना नदी के जलस्तर का लिया जायजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

केंद्रीय रेल एवं जल शक्ति राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने शनिवार को सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ जिला की सीमा स्थित हथनीकुंड बैराज का निरीक्षण कर वहां पानी के बहाव की स्थिति का जायजा लिया। मौके पर उन्होंने यमुना नदी में जल बहाव को लेकर संबंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए।

इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल व जिला भाजपा अध्यक्ष राजेश सपरा मौजूद रहे। केंद्रीय रेल एवं जल शक्ति राज्यमंत्री वी. सोमन्ना ने कहा कि हाल ही में हुई भारी वर्षा के कारण यमुना नदी के तटबंधों के आस पास कई स्थानों पर भूमि कटाव एवं जलभराव की स्थिति उत्पन्न हुई है। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि यमुना नदी के तटबंधों को और अधिक मजबूत किया जाए। ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार की क्षति को रोका जा सके। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों और किसानों की सुरक्षा एवं हित सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। केंद्र तथा राज्य सरकार मिलकर हर संभव सहायता सुनिश्चित करेंगी। वी. सोमन्ना ने कहा कि अधिक वर्षा के कारण जिनका फसल या संपत्ति का नुकसान हुआ है। उन्हें किसी भी स्थिति में सहायता से वंचित नहीं रखा जाएगा। केंद्र सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूरी तरह प्रतिबद्ध है कि बाढ़ से प्रभावित प्रत्येक परिवार तक समय पर राहत सामग्री एवं आर्थिक सहयोग पहुंचाया जाए।

यमुनानगर। हथनीकुंड बैराज का निरीक्षण करने के दौरान अधिकारियों को दिशा निर्देश देते हुए केंद्रीय रेल एवं जलशक्ति राज्यमंत्री वी. सोमन्ना।

राहत कार्यों को दी जा रही गति

केंद्रीय राज्यमंत्री वी. सोमन्ना ने कहा कि केंद्र सरकार प्रदेश सरकार के साथ समन्वय स्थापित कर राहत कार्यों को गति दे रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बाढ़ प्रभावित परिवारों तक तत्काल राहत सामग्री एवं मुआवजा पहुंचाया जाए। जिन क्षेत्रों में भूमि कटाव हुआ है वहां स्थायी समाधान हेतु ठोस योजना बनाई जाए। उन्होंने यह भी कहा कि देश और प्रदेश की सरकारें मिलकर इस मुश्किल घड़ी में ग्रामीणों और किसानों की मदद के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस दौरान राज्यमंत्री वी.सोमन्ना ने गांव नत्थनपुर के ग्रामीणों की समस्याएं भी सुनीं और समाधान करने के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मौके पर हरियाणा के पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल ने कहा कि इस समय राज्य के लोग बरसात के कारण हुई असामान्य परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं। जलभराव और बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए हरियाणा सरकार पूरी संवेदनशीलता एवं तत्परता के साथ कार्य कर रही है।

महिला टीसी ने यात्री युवक को जड़े थप्पड़

- नशे में महिला टीसी का हाथ पकड़ने का लगाया आरोप
- जनरल की टिकट पर स्लीपर कोच में सफर कर रहा था

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला छावनी के रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार की रात एक महिला टीसी ने यात्री की पिटाई कर दी। इससे प्लेटफार्म नंबर दो पर अफरातफरी मच गई। रेलवे प्रशासन ने मामले में जांच की बात कही है।

गाड़ी संख्या 15934 अमृतसर तिनसुकिया एक्सप्रेस शुक्रवार रात को अपने निर्धारित समय से अंबाला कैंट स्टेशन पर पहुंची, इसी दौरान महिला टिकट चेकिंग स्टाफ ने एक युवक के साथ मारपीट कर दी। कई लोगों ने इसका विरोध तक किया। लेकिन महिला टीसी ने एक न सुनी और युवक को 4-5 थप्पड़ जड़ दिए। मारपीट के दौरान अंबाला कैंट स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 2 पर मौजूद अन्य यात्रियों ने घटना को देखते हुए उसका वीडियो बनाना शुरू किया, तो टीसी ने उन्हें रोक दिया। इसी दौरान अन्य टीसी भी घटना स्थल पर आ गए। 20 मिनट तक ये हंगामा चला। अन्य रेल कर्मी और यात्री तमाशा देखते रहे। जिसके बाद ट्रेन के साथ युवक को वापस रवाना कर दिया गया।

महिला टीसी ने बताया कि युवक नशे में था। वो जनरल की टिकट में स्लीपर कोच में सफर कर रहा था। इस दौरान टीसी ने जब उसका टिकट बनाने के लिए कहा तो वो नशे में हाथ पकड़ने लगा। टीसी का कहना था कि उसने कई बार हाथ पकड़ने का प्रयास किया इसलिए मजबूरन हाथ उठाना पड़ा। हालांकि उसकी रसीद काटकर उसे ट्रेन से ही रवाना कर दिया।

खबर संक्षेप

किशोरी को शादी का झांसा देकर किया अगवा

यमुनानगर। ब्यासपुर थाना क्षेत्र के गांव से शादी का झांसा देकर किशोरी को अगवा करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एक व्यक्ति ने पुलिस को बताया कि उसकी 17 वर्षीय बेटी 11 सितंबर को अचानक लापता हो गई। तलाश की तो पता चला कि हिमाचल के पांवटा साहिब के गांव भगवानपुर निवासी इजराल उसे शादी का झांसा देकर अपने साथ कहीं ले गया। ब्यासपुर थाना पुलिस ने पीड़ित व्यक्ति की शिकायत पर केस दर्ज कर तलाश शुरू कर दी। समाचार लिखे जाने तक उसका कोई सुराग नहीं मिला पाया था।

शादी का झांसा देकर युवती को किया अगवा

यमुनानगर। सदर थाना जगाधरी थाना क्षेत्र से संदिग्ध परिस्थितयों में एक युवती के लापता होने का मामला प्रकाश में आया है। शिकायत के बाद पुलिस ने केस दर्ज कर तलाश शुरू कर दी। सदर थाना क्षेत्र के गांव निवासी एक व्यक्ति ने बताया कि 12 सितंबर को उनकी 18 वर्षीय बेटी बिना किसी को बताए अचानक घर से लापता हो गई। उन्होंने जब अपने स्तर पर उसकी तलाश की तो पता चला कि सुमित नामक एक व्यक्ति शादी का झांसा देकर अगवा कर उसे कहीं अपने साथ ले गया। शिकायत के बाद सदर थाना जगाधरी पुलिस ने पिता की शिकायत पर केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी। समाचार लिखे जाने तक फिलहाल युवती का कोई सुराग हाथ नहीं लग पाया था।

नगर निगम के आयुक्त के निर्देश पर फील्ड में उतरे कर्मचारी-अधिकारी

ट्विन सिटी में हटाए अवैध होर्डिंग्स, बैनर पोस्टर, नगर निगम ने चलाया अभियान

शहर में रेलवे रोड, जगाधरी रोड, गोविंदपुरी मार्ग व सड़कों के डिवाइडरों, चौकों, स्ट्रीट लाइट के पोल और सार्वजनिक स्थानों पर लगाए, भविष्य में बिना अनुमति शहर में लगाए जाने वाले होर्डिंग्ल और पोस्टर होंगे जब्त, शहर की सुंदरता को नहीं होने देंगे भंग

यमुनानगर। नगर निगम की टीम शहर में लगे अवैध होर्डिंग को हटाते कर्मचारी।

यमुनानगर। धार्मिक व शिक्षण संस्थाओं के पदाधिकारियों के साथ बैठक करते आयुक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

ट्विन सिटी(यमुनानगर जगाधरी) में विभिन्न स्थानों पर अवैध रूप से लगाए गए होर्डिंग, फ्लेक्स बोर्ड व बैनरों को हटाने के लिए शनिवार को नगर निगम ने अभियान चलाया। निगम की टीमों ने शहर में विभिन्न स्थानों पर लगे अवैध होर्डिंग, फ्लैक्स बोर्ड व बैनरों को हटवाया। यह होर्डिंग, बोर्ड व बैनर शहर की सुंदरता को भंग कर रहे थे।

नगर निगम आयुक्त महाबीर प्रसाद के निर्देशों पर शहर में अवैध रूप से लगे होर्डिंग और फ्लेक्स हटाने के लिए निगम अभियंता राजेश शर्मा के नेतृत्व में टीमें गठित की गई हैं। निगम की इन टीमों ने शनिवार को रेलवे रोड, जगाधरी रोड, गोविंदपुरी मार्ग व अन्य सड़कों के डिवाइडरों, चौकों, स्ट्रीट लाइट के पोल व अन्य सार्वजनिक स्थानों पर लगाए गए अवैध होर्डिंग व फ्लेक्स बोर्ड हटाए। निगम कर्मियों ने इन होर्डिंग व बैनरों को उतारकर वाहनों में लोड कर निगम के गोदाम में पहुंचाया।

अतिरिक्त निगम आयुक्त धीरज कुमार ने कहा कि कुछ लोगों ने शहर में बिना निगम की अनुमति लिए अवैध रूप से होर्डिंग व फ्लैक्स बोर्ड लगाए हुए थे। जो अवैध हैं। निगमायुक्त महाबीर प्रसाद के निर्देशों पर इन अवैध होर्डिंग, पोस्टर व बैनर को हटाया गया। उन्होंने कहा कि नगर निगम की अनुमति के बिना कोई भी होर्डिंग और बैनर न लगाएं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि बिना अनुमति होर्डिंग्स व फ्लेक्स बोर्ड लगाए गए तो उन्हें जब्त कर कार्रवाई की जाएगी।

सेवा पखवाड़ाः शहर में 25 को चलाएंगे विशेष सफाई अभियान

यमुनानगर। स्वच्छता अभियान के तहत ट्विन सिटी में 25 सितंबर को चलाए जाने वाले सफाई व श्रमदान कार्यक्रम को लेकर निगम कार्यालय में संत निरंकारी मिशन, राधा स्वामी, डेरा सच्चा सौदा व शहर के विभिन्न स्कूल, कॉलेज व अन्य शिक्षण संस्थाओं के पदाधिकारियों की बैठक के साथ निगम आयुक्त ने बैठक की। जिसमें बताया कि अभियान का उद्देश्य शहर को सौंदर्यीकरण, हर वार्ड को कचरा मुक्त व स्वच्छ बनाना है।

क्लस्टर वाइज चलेगा अभियान

25 सितंबर को एक घंटा श्रमदान कार्यक्रम में शहर की सभी धार्मिक, सामाजिक व शिक्षण व अन्य स्वयं सेवी संस्थाएं शामिल भाग लेगी। जिसमें प्रत्येक वार्ड की हर कॉलोनी, मोहल्ले की हर गली, हर सड़क की सफाई होगी। सड़क व गलियों में पड़े पत्थर, ईंट, रोडे, पॉलिथीन, सीएंडडी वेस्ट व अन्य कचरा साफ किया जाएगा। इससे शहर की तस्वीर बदलने के साथ साथ स्वच्छता के प्रति लोगों की सोच में भी परिवर्तन करना है। आमजन को रोजमर्रा की जिंदगी में स्वच्छता को अपनाना है। धार्मिक संस्थाओं व शिक्षण संस्थाओं के पदाधिकारियों से अपील की कि वे जिस क्लस्टर में उनके जो स्वयंसेवी या कॉलेज हैं। वह उसी क्षेत्र में सफाई अभियान में सहयोग करें। 25 सितंबर से पहले सभी स्कूल व कॉलेज में कार्यशाला लगाकर विद्यार्थियों को सफाई अभियान की ट्रेनिंग दी जाएगी। उन्होंने शिक्षण संस्थाओं के पदाधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन स्कूल, कॉलेज व शिक्षण संस्थान में 50 किलोग्राम से अधिक कचरा निकलता है। वह बीडब्ल्यूजी की श्रेणी में आते हैं। इसलिए वे गीले कचरे का कंपोस्ट पिट के माध्यम से खाद तैयार करें।

संत निरंकारी मिशन, 1500 अनुयायी लेंगे भाग

मिशन के स्थानीय प्रतिनिधि क्षेत्रीय संचालक विक्रम गांधी ने नगर निगम आयुक्त महाबीर प्रसाद को बताया कि 25 सितंबर के सफाई एवं श्रमदान कार्यक्रम में उनके 1500 अनुयायी भाग लेंगे। वहीं, राधा स्वामी के स्थानीय प्रधान सेवा सिंह व क्षेत्रीय सहायक राजेश अरोड़ा ने बताया कि उनकी संस्था के भी तीन हजार अनुयायी श्रमदान कार्यक्रम में अपनी सेवाएं देंगे। डेरा सच्चा सौदा के प्रतिनिधि जरनैल सिंह ने डेरा प्रतिनिधियों से चर्चा कर अनुयायियों द्वारा सफाई में श्रमदान करने का आश्वासन दिया। बैठक में विशेष अधिकारी सफाई अनिल कुमार यादव, अतिरिक्त निगम आयुक्त धीरज कुमार, उप निगम आयुक्त कुलदीप मलिक, सीएसआई अनिल नैन आदि मौजूद रहे।

मनुष्य के शरीर व दिमाग को नुकसान पहुंचाता है नशाः हरप्रीत

यमुनानगर। एमएलएन कॉलेज यमुनानगर में एंटी ड्रग्स अवेयरनेस सेल क्लब एवं एंटी तंबाकू सेल और एनएसएस इकाई के संयुक्त तत्वावधान में मानसिक स्वास्थ्य एवं नशा मुक्ति जागरूकता विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रुप में विशेषज्ञ हरप्रीत सिंह व कुलदीप धीमान ने भाग लिया। वहीं, कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अनिल धवन ने की।

- एमएलएन कॉलेज में मानसिक स्वास्थ्य एवं नशा मुक्ति जागरूकता विषय पर व्याख्यान का आयोजन

मुख्य वक्ता एवं विषय विशेषज्ञ हरप्रीत सिंह ने विद्यार्थियों को समझाया कि नशा न केवल व्यक्ति के शरीर एवं दिमाग को नुकसान पहुंचाता है। बल्कि अवसाद और आत्महत्या जैसे खतरनाक परिणामों की ओर भी ले जा सकता है।

उन्होंने विद्यार्थियों को नशा जैसी बुराई से दूर रहने के लिए आहवान किया और अन्य को भी इसके प्रति जागरुर करने की सलाह दी। मौके पर विद्यार्थियों ने समाज को नशामुक्त बनाने व स्वयं और दूसरों को नशा जैसी बुराई से दूर रखने के लिए शपथ ली। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अनिल धवन ने कहा कि व्याख्यान आयोजन कनरे का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को नशा मुक्त भारत के लिए जागरूक करना व नशे से होने वाले मानसिक, शारीरिक, पारिवारिक एवं आर्थिक नुकसान के बारे में सचेत करना रहा। उन्होंने कार्यक्रम में विद्यार्थियों को नशा जैसी बुराई से सचेत करने के लिए सभी वक्ताओं का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने और आत्महत्या रोकथाम की दिशा में सार्थक भूमिका निभाते हैं। मौके पर डॉ. सुनीता सीकरी, डॉ. महेश कुमार, डॉ. पूजा रानी, डॉ. राहुल सिंह और प्रो. कमल किशोर आदि मौजूद रहे।

स्कूल से सामान चोरी करने के मामले में दो गिरफ्तार

- आरोपियों ने 30 अगस्त को मोहड़ी स्कूल से की थी चोरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

व्यासपुर पुलिस ने स्कूल से गैस सिलेंडर समेत हजारों का सामान चोरी करने के दो युवकों को गिरफ्तार किया है। जिनकी पहचान जयचंद उर्फ मुल्ला व रोहन कुमार के रूप में हुई है। अदालत ने दोनों को जेल भेज दिया गया।

एसएचओ कुलदीप सिंह ने बताया कि 30 अगस्त को राप्रापा मोहड़ी के प्रभारी धर्मवीर सिंह ने ने बताया था कि सुबह जब स्कूल के सफाई कर्मचारियों ने स्कूल खोला तो उनके मिड डे मील रसोई का ताला टूटा मिला। दो गैस सिलेंडर, चावल व अन्य सामग्री गायब मिली। जिसकी सूचना उन्होंने स्कूल स्टाफ व पुलिस को सूचना दी। इस दौरान व्यासपुर पुलिस ने घटना स्थल का मुआयना कर अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया। एएसआई नरेश कुमार के नेतृत्व में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी का सामान बरामद कर लिया। पुलिस ने दोनों को अदालत में पेश किया। जहां से उन्हें जेल भेज दिया।

वातावरण को स्वच्छ रखना सभी की जिम्मेदारीः डीसी

- अधिकारियों के साथ साइकिल पर सवार होकर शहर में निकले उपायुक्त, किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान के तहत जिला प्रशासन द्वारा शहर में साइकिल यात्रा निकालकर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरुक किया गया। साइकिल यात्रा का नेतृत्व उपायुक्त पार्थ गुप्ता ने किया। मौके पर नगर निगम के निगमायुक्त महाबीर प्रसाद समेत अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

साइकिल यात्रा डीसी कैंप कार्यालय से शुरु होकर पंचायत भवन, कन्हैया चौक से होती हुए गाविंदपुरी रोड, मधु चौक से होती हुई रेलवे रोड, प्यारा चौक से होती हुई नेहरू पार्क, मॉडल टाउन, एसपी आवास से होती हुई गोविंदपुरी रोड से कन्हैया साहिब चौक, जगाधरी सब्जी मंडी से होते

हुए अंत में शुभारंभ स्थल पर संपन्न हुई। डीसी पार्थ गुप्ता ने कहा कि नगर निगम क्षेत्र में आगामी 11 सप्ताह तक चलने वाले विशेष शहरी स्वच्छता अभियान में जिला प्रशासन द्वारा शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान के तहत क्षेत्रों में नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। शहर की सभी कालोनियों में डोर.टू.डोर कचरा संग्रह और कचरा प्लांट में निस्तारण की व्यवस्था को और बेहतर बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। गलियों व कॉलोनियों में जहां भी गंदगी दिखती हैं, नियुक्त वार्ड नोडल अधिकारी टीम के साथ लोगों की उपस्थिति में सफाई करवा रहे हैं, ताकि शहर को साफ व सुंदर बनाया जा सके।

स्वच्छ-सुंदर हो शहर, सभी करें सहयोग

उन्होंने शहरवासियों से स्वच्छता की इस मुहिम का हिस्सा बनने और शहर को स्वच्छ एवं साफ. सुथरा बनाने में प्रशासन का सहयोग किए जाने की अपील की। उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखना केवल प्रशासन का ही नहीं बल्कि प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने घरों व दुकानों के आसपास नियमित सफाई रखेगा तो न केवल उसका क्षेत्र स्वच्छ रहेगा बल्कि पूरा शहर स्वच्छ और सुंदर बनेगा। इस अवसर पर निगम के विशेष अधिकारी स्वच्छता अनिल कुमार यादव, एसडीएम जगाधरी विश्वनाथ, अतिरिक्त निगम आयुक्त धीरज कुमार, उप निगम आयुक्त कुलदीप मलिक आदि मौजूद रहे।

अस्पताल में आए व्यक्ति का पर्स चोरी, केस दर्ज

- आरोपी ने एटीएम कार्ड से निकाले 18 हजार 500 रुपये

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

जिला नागरिक अस्पताल में किसी से मिलने आए व्यक्ति का किसी ने पर्स चोरी कर लिया। पर्स में पांच हजार रुपये व एटीएम कार्ड समेत अन्य दस्तावेज थे। आरोपी ने पर्स में रखे एटीएम कार्ड से भी साढ़े 18 हजार रुपये निकाल लिए। पुलिस ने शिकायत पर केस दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी।

शहर के तिलक नगर निवासी जनक राज ने बताया कि दस सितंबर को वह अस्पताल में किसी से मिलने गया था। इस दौरान किसी ने उसकी जेब से उसका पर्स चोरी कर लिया। पर्स में पांच हजार की नकदी व आधार कार्ड, एटीएम कार्ड व अन्य दस्तावेज थे। पर्स चोरी होने के बाद मोबाइल पर एसबीआई बैंक खाते से उसे 18 हजार 500 रुपये निकलने का संदेश आया। उसने आरोप लगाया कि आरोपी ने उसके पर्स में रखे एटीएम कार्ड के माध्यम से उसके पैसे निकाल लिए। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

भाषण में छात्रा मीनाक्षी ने बनी विजेता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रादौर

ज्योतिबा फुले कॉलेज में शनिवार को प्रतिभा खोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्राचार्य प्रो. एसके सिंह ने शुभारंभ किया। भाषण में मीनाक्षी, निबंध में मुस्कान, निबंध लेखन में प्रीत कौर, कविता पाठ में तनीषा, पेटिंग में वंशिका व स्लोगन में मुस्कान ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रथम रही। प्राचार्य एसके सिंह ने विजेताओं को पुरस्कृत किया। डॉ. दर्शन सिंह ने कहा कि कार्यक्रम में कविता पाठ समेत विभिन्न प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रो.ममता रानी ने मंच का सफलतापूर्वक संचालन किया। छात्रा मुस्कान व आकांक्षा ने मंच संचालन में सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर प्रो. राजेंद्र कुमार, प्रो.सतपाल, प्रो.संजीव गांधी, प्रो. नरेश पराशर,डॉ. गौरव सैनी, प्रो. रितु बेनीवाल मौजूद रहे।

ये रहे प्रतियोगिताओं के परिणाम

भाषण में मीनाक्षी ने प्रथम, मुस्कान ने द्वितीय व जैनिस ने तृतीय व निबंध लेखन में प्रीत कौर ने प्रथम, अनिकेत ने द्वितीय व आकांक्षा एवं जैनिस ने तृतीय और कविता पाठ में तनीषा ने प्रथम स्थान, मीनाक्षी ने द्वितीय व मासूम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पेंटिंग में अंजलि ने प्रथम, मानसी ने द्वितीय, वंशिका व इशिका ने तृतीय व स्लोगन में मुस्कान ने प्रथम, शिवांजलि ने द्वितीय व अनिकेत ने तृतीय और रंगोली में खुशी ने प्रथम, प्रीत कौर व ईशा ने द्वितीय स्थान, महक ने तृतीय व गायन में मयंक ने प्रथम, शुभम ने द्वितीय व शगुन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

मातृ भाषा हिंदी पर हम सभी करें गर्वः डॉ. सिंह

रादौर। मुकंदलाल नेशनल कॉलेज में शनिवार को हिन्दी दिवस पर कथन, स्लोगन व लेखन प्रतियोगिता हुई। जिसमे विद्यार्थियों ने आकर्षक पोस्टर बनाकर सभी को भाव विभोर कर दिया। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. महेंद्र सिंह ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्राचार्य डॉ. महेंद्र सिंह ने कहा कि हमें हिन्दी भाषा पर गर्व करना चाहिए। डॉ. ऋचा सीकरी ने कहा कि हिन्दी साहित्य समृद्ध है। हिन्दी साहित्य को पढ़कर हम भी साहित्य में योगदान दे सकते हैं। हिन्दी विभाग के अध्यक्ष प्रो. बंटी कुमार ने बताया कि हम बचपन से ही हिन्दी को बोलते, पढ़ते व लिखते आए हैं। निर्णायक मंडल की भूमिका डॉ. रिचा सीकरी, प्रो. पिंकी रानी, प्रो. सिमरन ने निभाई। प्रतियोगिता में श्रेयाए मुस्कान, लता, नैंसी, वंदना, सिमरन व स्नेहा आदि ने हिस्सा लिया। इस मौके पर प्रो.आशीष भल्ला, प्रो.जय चंद व पंकज कुमार मौजूद रहे।

लाभ पात्रों को 16.50 लाख के चेक दिए

- पात्रों को डीसी व एसई बिजली निगम ने वितरित किए चेक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

जिला प्रशासन द्वारा पीएम सूर्य घर बिजली योजना के लाभपात्रों को अनुदान के चैक वितरित करने के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रुप में उपायुक्त पार्थ गुप्ता ने भाग लिया। कार्यक्रम में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना में 33 लाभार्थियों को 50-50 हजार 16 .50 लाख 50 हजार के चैक वितरित किए।

डीसी पार्थ गुप्ता ने बताया कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना में जिले के 270 लाभार्थियों को अनुदान में 1 करोड़ 35 लाख के चैक वितरित किए जा रहे हैं। इस स्कीम के तहत प्रति किलोवाट रूफटॉप सोलर लगवाने पर 30 हजार, दो किलो वाट के लिए 60 हजार, 3 किलो वाट या अधिक वाट के सोलर पैनल पर 78 हजार तक की सब्सिडी मिलती है। 5 हजार आबादी के 6 गांवों को लिया गया है।

इन गांवों के लोग शामिल

योजना में मॉडल सोलर विलेज के तहत जिन गांवों की 5 हजार की आबादी वाले गांव शामिल हैं। गांव परवालो, फतेहगढ, बाकरपुर, जयधर, हैदरपुर, जटहेडी, मांडखेडी, गनौली, तुगलकपुर, हरेवा, बरौली माजरा, कोटला काहन, दाढ़ुपुर, भूखडी आदि गांवों के 33 लाभार्थियों को चैक वितरित किए।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर अंडर ट्रेनिंग आइएएस सुमन यादव, एसडीएम रोहित कुमार, डीआईपीआरओ डॉ.मनोज कुमार, एसई बिजली निगम नरेन्द्र सिंह, एक्शइन पवन छिक्कारा व पंकज देसवाल मौजूद रहे।

प्राचीन जाहरवीर गोगा माड़ी पर श्रद्धालुओं ने टेका माथा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रादौर

रादौर स्थित प्राचीन जाहरवीर गोगा माड़ी पर चल रहे ऐतिहासिक मेले के आठवें दिन शनिवार को भी हजारों श्रद्धालुओं ने मेले में पहुंचकर गोगा माड़ी पर माथा टेका और पूजा अर्चना की। मेले में शाम को दंगल का आयोजन किया गया। जिसमें पहलवानों ने कुश्ती में जौहर दिखाए।

शनिवार को सुबह होते ही रादौर में आयोजित मेले में भीड़ बढ़नी शुरू हो गई थी। शाम तक मेले में महिलाओं, बच्चों व बुजुर्गों ने माड़ी पर पहुंचकर गोगा जाहरवीर के पवित्र स्थल पर निशान चढ़ाकर माथा टेक अपने परिवार की सुख समृद्धि व शांति की कामना की। मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पडे इसके लिए प्रशासन ने मेले में विशेष व्यवस्था की है। मेले में साफ सफाई, पीने का पानी, लाईटों का उचित प्रबंध किया गया है।

आकर्षक सजी दुकानें

रादौर की प्राचीन गोगा माड़ी मेले में छोटी-बड़ी दुकानें आकर्षक रुप से सजाई गई हैं। जिन पर बच्चों के खेल खिलौने, महिलाओं का सामान व धार्मिक पुस्तकें तथा जलेबी की दुकानें सजाई गई । मेले में पहुंचने वालों ने जहां चाट व पकौड़ी का स्वाद लिया, वहीं वह शाम के वक्त लोग मेले से जलेबी खरीद कर अपने घरों को ले गए।

श्रद्धालु कर रहे खूब खरीददारी

मेले के दुकानदार राहुल, कुलबीर, सुमित व पंकज आदि ने बताया कि मेले में भारी तादाद में श्रद्धालुओं के पहुंचने से उनको अच्छा मुनाफा हुआ है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए मेले में थाना रादौर प्रभारी राजपाल ने बताया कि मेले में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। उन्होंने बताया कि मेले में लोगों की सुरक्षा के लिए पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। मेले के दोनो गेटों पर बेरियर लगाकर पुलिसकर्मी तैनात किए हुए हैं।

साइबर ठगों से बचने के लिए पुलिस अधीक्षक ने आमजन को दी सलाह

जन्मतिथि और नाम पर बने पासवर्ड से ठगी का खतरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

साइबर ठगी से बचने के लिए नागरिक अपनी जन्मतिथि व नाम से पासवर्ड नहीं बनाएं। वर्तमान में हर काम इंटरनेट पर आधारित है। वित्तीय लेनदेन भी अब बड़े पैमाने पर मोबाइल और इंटरनेट पर निर्भर हो गए हैं। जिससे साइबर ठगी के मामलों में इजाफा हो रहा है। एसपी कमलदीप गोयल ने कहा कि कमजोर पासवर्ड रखना साइबर अपराधियों को न्यौता देने जैसा है। मजबूत पासवर्ड साइबर हमलों से बचाने में अहम भूमिका निभाते हैं।

उन्होंने अपने कार्यालय में बातचीत करते हुए बताया कि पुलिस समय समय पर सेमिनार और गोष्ठियों के माध्यम से आमजन को साइबर अपराध के प्रति जागरूक किया जा रहा है। लोगों को यह भी बताया जाता है कि साइबर ठगी होने पर तुरंत राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 या फिर एनसीआरपी पोर्टल पर शिकायत दर्ज करवा सकते हैं। साइबर अपराधी

- ऑनलाइन लेनदेन बढ़ने के साथ बढ़ा साइबर क्राइम।

कमलदीप गोयल, एसपी।

लोगों को झांसा देकर पैसे हड़पने के लिए तरह तरह के हथकंडे अपनाते हैं। इससे बचने का एकमात्र उपाय जागरूकता और सावधानी है। नेट बैंकिंग, ईमेल, फेसबुक व इंस्टाग्राम आदि अकाउंट्स पर मजबूत पासवर्ड जरूर लगाएं। पुलिस अधीक्षक कमलदीप ने बताया कि पासवर्ड बनाते समय जन्मतिथि, परिवार के सदस्य का नाम या की बोर्ड की एक पंक्ति के अक्षरों का प्रयोग न करने की सलाह दी।

साइबर फ्राड से बचने के लिए ये रखें सावधानियां

एसपी ने लोगों को साइबर फ्राड से बचने के लिए बैंकिंग एप्स और इंटरनेट मीडिया अकाउंट को सुरक्षित लॉक किए जाने, निजी जानकारी सांझा न करने, मल्टी फैक्टर ऑथेंटिकेशन का इस्तेमाल करने, पासवर्ड स्ट्रॉन्ग रखने, ओटीपी या अन्य जानकारी किसी से शेयर न करने, किसी भी एप को डाउनलोड या यूज करने से पहले सतर्क रहने, सर्विस डिलीवरी या हेल्पलाइन नंबर गूगल से नहीं, केवल ऑफिशियल वेबसाइट से ही लेने के लिए अनुरोध किया। कसाइबर फ्राड से घबराएं नहीं, बल्कि तुरंत साइबर धोखाधड़ी होने पर शिकायत साइबर हेल्प डेस्क नंबर 1930, अपने बैंक तथा नजदीकी पुलिस स्टेशन में देने का आहवान किया।

विद्यार्थियों को प्रभावी रेज्यूम व पेशेवर ई-मेल लिखने की दी जानकारी

- गुरु नानक खालसा कॉलेज में कार्यक्रम का किया गया आयोजन

यमुनानगर। गुरु नानक खालसा कॉलेज में कम्युनिटी कॉलेज विभाग व अंग्रेजी विभाग द्वारा शनिवार को रेज्यूमें राइटिंग एवं ईमेल कंटेंट राइटिंग विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। डॉ. कैथरीन मसीह की अध्यक्षता में हुई कार्यशाला में मुख्य वक्ता हिट बुल्स आई की मैनेजर अरुषी नेगी ने भाग लिया। प्राचार्य डॉ. अरविंदर सिंह भल्ला मौजूद रहे।

मुख्य वक्ता ने विद्यार्थियों को प्रभावी रेज्यूमे बनाने और पेशेवर ईमेल लिखने के तरीकों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों के साथ कार्यशाला में अपने व्यावहारिक अनुभव भी सांझा किए। प्राचार्य डॉ. अरविंदर सिंह भल्ला ने दोनों विभागों के कार्यशाला के लिए सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसी करियर उन्मुख कार्यशालाएं विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान और आत्मविश्वास प्रदान करती हैं। कम्युनिटी कॉलेज के नोडल अधिकारी प्रो.पूजा राणा ने कार्यशाला के मुख्य वक्ता समेत अन्य वक्ताओं और अतिथियों का आभार जताया।

कॉलेज प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सरदार रणदीप सिंह जौहर ने कहा कि कॉलेज में भविष्य में इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे। उन्होंने आयोजकों के प्रयासों की सराहना की। इस मौके पर सह संयोजक प्रो. जसप्रीत सिंह, प्रो. मंगीत कौर, प्रो. निशी, डॉ. रमणदीप महल, प्रो. खुशप्रीत, डॉ. डॉ. दीपा, डॉ. प्रतिमा शर्मा, उप.प्राचार्य डॉ. अशोक खुराना आदि मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

गीता कन्या विद्यालय में आचार्य दक्षता वर्ग आयोजित

कुरुक्षेत्र। विद्या भारती हरियाणा एवं हिंदू शिक्षा समिति के संयुक्त तत्वाधान में अमीन मार्ग स्थित गीता कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में आचार्य दक्षता वर्ग का आयोजन किया गया। दक्षता वर्ग का आरंभ गीत द्वारा किया गया। इसके पश्चात प्रातः स्मरण, एकात्मता मंत्र एवं एकात्मता स्त्रोत के श्लोकों का उच्चारण किया। शरीर के विभिन्न अंगों को स्वस्थ रखने के लिए तथा मन की एकाग्रता को बढ़ाने के लिए आसन, योग व प्राणायाम करवाए गए। योग के पश्चात वंदना सत्र रहा।

22 को मनाई जाएगी महाराज अग्रसेन जयंती

पिहोवा। अग्रवाल सभा पिहोवा ने बुधवार को अग्रवाल धर्मशाला में बैठक कर 22 सितंबर दिन सोमवार को महाराजा अग्रसेन जी की जयंती के उपलक्ष्य में हवन यज्ञ करने का फैसला किया। बैठक की अध्यक्षता सभा के संरक्षक टोमी बंसल ने की। जानकारी देते हुए सभा के प्रधान तरसेम गर्ग ने बताया कि हर साल की तरह इस बार भी अग्रवाल सभा द्वारा 22 सितंबर को हवन यज्ञ करवाया जायेगा। उन्होंने अग्र बंधुओं से अपील की है कि वे इस मौके पर पहुँच कर इस पुण्य कार्य के भागी बने।

एडवोकेट अंकित को मिला जन सेवा सम्मान

कुरुक्षेत्र। ऑल इंडिया लॉयर्स फोरम के प्रदेश महासचिव एवं विश्व मानव अधिकार सुरक्षा आयोग के राष्ट्रीय सदस्य एडवोकेट अंकित गुप्ता को मानव मित्र मंडल समाजसेवी संस्थान द्वारा आयोजित कार्यक्रम में जन सेवा सम्मान से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संस्थान के पदाधिकारियों व गणमान्य व्यक्तियों ने एडवोकेट अंकित गुप्ता को सम्मान-पत्र व प्रतीक चिन्ह प्रदान किया। यह सम्मान उन्हें समाजहित व निरंतर जनसेवा के कार्यों में सक्रिय योगदान के लिए दिया गया।

हिंदी भाषा का प्रयोग करने की दिलाई शपथ

कुरुक्षेत्र। नवयुग सीनियर सेकेंडरी स्कूल में हिंदी दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों के लिए विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया जिसमें मुख्याध्यापिका प्रीती मिश्रा ने बच्चों को हिंदी दिवस के बारे में विस्तार से बताया तथा हिंदी भाषा का प्रयोग करने की शपथ दिलवाई। विद्यालय के डायरेक्टर बीडी गाबा ने कहा कि हिंदी दिवस मनाने का कारण हिंदी को भारत की आधिकारिक भाषा के रूप में हिंदी को अपनाने के उपलक्ष्य में है, जो राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देता है।

25 नवंबर तक चलेगा राज्यव्यापी स्वच्छता महाअभियान

कुरुक्षेत्र को स्वच्छता में नंबर वन बनाने के लिए एक घंटा करें श्रमदान: सुधा

स्वच्छ कुरुक्षेत्र अभियान के तहत शहर को मिलेगा सुंदर रूप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

हरियाणा पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि स्वच्छ कुरुक्षेत्र मेरा कुरुक्षेत्र मेरा अभिमान कार्यक्रम के तहत शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आरंभ किया है। यह विशेष अभियान आगामी 25 नवंबर 2025 तक पूरे शहर में चलाया जाएगा। इतना ही नहीं कुरुक्षेत्र को स्वच्छता के क्षेत्र में प्रथम स्थान पर लाने के लिए कुरुक्षेत्र के एक-एक नागरिक को सप्ताह में एक घंटा श्रमदान करने के लिए आगे आना होगा। इस अभियान का उद्देश्य शहर में स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित करना, कूड़ा-कर्कट प्रबंधन को सुदृढ़ करना, प्लास्टिक के उपयोग को कम करना तथा नागरिकों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा शनिवार को आयुष विश्वविद्यालय और शहर के विभिन्न स्थानों पर स्वच्छ कुरुक्षेत्र मेरा कुरुक्षेत्र मेरा अभिमान कार्यक्रम के तहत लोगों से बातचीत कर रहे थे। इससे पहले पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने आयुष विश्वविद्यालय की सडक के साथ-साथ अन्य स्थानों पर स्वच्छता अभियान के दौरान सफाई करवाई। उन्होंने कहा कि जब इस जिले के लाखों नागरिक कुरुक्षेत्र को स्वच्छ बनाने की मुहिम पर मोहर लगाएंगे तो कुरुक्षेत्र को देश का सबसे स्वच्छ शहर बनने से रोक नहीं पाएगा। इसलिए नागरिक सबसे पहले अपनी गली फिर आरडब्लयूए के साथ मिलकर अपना माहौल्ला, अपना घर और फिर लोग अपनी-अपनी संस्थाओं जिनमें सरकारी भवन, कॉलेज, प्राइवेट भवन, प्राइवेट कॉलेज, स्कूल और धर्मशालाएं व धार्मिक 'स्थानों को स्वच्छ और सुंदर बनाए। इससे लोग खुद स्वच्छता अभियान के साथ जुड़ेंगे और कुरुक्षेत्र को स्वच्छ बनाने के लिए आगे आएंगे।

कुरुक्षेत्र। श्रमदान करते पूर्व राज्य मंत्री सुभाष सुधा व अन्य।

कचरे को लोग डस्टबिन में डालना सुनिश्चित करे

पुर्व राज्य मंत्री ने कहा कि लोगों को अपने घर के कचरे को सड़कों पर गिराने की आदत को बदलना होगा। इस कचरे को लोग डस्टबिन में डालना सुनिश्चित करे, इसके साथ ही अपने घर के कचरे को गीले और सूखे कचरे के रूप में अलग-अलग करे। जब प्रत्येक नागरिक इस मानसिकता को अपना लेगा तो कुरुक्षेत्र स्वच्छ और सुंदर नजर आएगा। इस अभियान के तहत सरकारी, निजी कार्यालयों, पर्यटन व धार्मिक स्थलों पर स्वच्छता अभियान चलाकर सफाई की जा रही है। साथ ही, सड़कों, ड्रेनों की मरम्मत, स्ट्रीट लाइटों का रखरखाव, चौकों का सौंदर्यीकरण और सड़कों पर उपयुक्त साइनेज की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाएगी। इसके अलावा, शत-प्रतिशत डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण करने के साथ-साथ सी एंड डी अपशिष्ट डंपिंग पॉइंट, खुले क्षेत्रों और खाली भूखंडों को साफ किया जाएगा।

प्लास्टिक बैन को लेकर जन जागरुकता कार्यक्रम चलाए जाएंगे

सुभाष सुधा ने कहा कि जनभागीदारी को बढ़ावा देने के लिए कॉलेज और स्कूल के छात्रों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जाएगा। ग्रीन एवं स्वच्छ हरियाणा के तहत कॉलोनियों, बाजारों, स्कूलों, पार्कों और सडकों के किनारे वृक्षारोपण अभियान चलाया जा रहा है और पार्कों में कूड़ेदानों की व्यवस्था की जाएगी, ताकि पार्कों में गंदगी न फैले। ओपन जिम की मरम्मत व रख-रखाव सुनिश्चित किया जाएगा। पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने बताया कि शहरों में विशेष तौर पर प्लास्टिक बैन के बारे जन जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएंगे। विशेष पहल करते हुए बाजारों व मंडियों में विशेष केंद्र स्थापित किए जाएंगे, जहां नागरिक प्लास्टिक कचरा जमा करेंगे और उसके बदले उन्हें कपड़े के थैले और पौधे वितरित किए जाएंगे। साथ ही, स्वच्छता संबंधी आदतों और पर्यावरण संरक्षण विषयों पर मॉल या बाजारों में प्रचार के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जाएगा। इस मौके पर चेयरपर्सन प्रतिनिधि मलकीत ढांडा, स्वच्छ भारत मिशन के सदस्य सुनील वर्मा, पार्षद प्रेम अवस्थी, सुरेश, सुरेंद्र माजरी, पारूल मित्तल सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

8 करोड़ 54 लाख 27 हजार 208 रुपये के मुआवजा देने के आदेश किए पारित

राष्ट्रीय लोक अदालत में निपटाए 10,705 मामले

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

जिला कोर्ट परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष तथा जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिनेश कुमार मित्तल की अध्यक्षता में किया गया। इस लोक अदालत में रखे गए 14057 मामलों में से 10705 मामलों का मौके पर निपटारा किया गया। इन मामलों में 8 करोड़ 54 लाख 27 हजार 208 रूपए के मुआवजा देने के आदेश पारित किए गए। इस राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक मामलों का निपटारा करने के उद्देश्य से प्रधान न्यायाधीश, पारिवारिक न्यायालय, हरलीन ए.शर्मा, अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनिल कुमार, अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश भावना जैन, न्यायाधीश डॉ. मोहिनी, न्यायाधीश जप जी सिंह, न्यायाधीश गिर्राज सिंह,उप-मंडल न्यायाधीश पल्लवी ओझा,न्यायाधीश भरत, अध्यक्ष स्थायी लोक अदालत (जनोपयोगी सेवाएं)प्रवीण गुप्ता की अध्यक्षता में बेंच का गठन किया गया।

18 केसों का मौके पर किया निपटारा

इस राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 10705 मामलों का निपटारा किया गया। उन्होंने कहा कि इन बैंचों के पास प्री-लिटिगेशन के 126 मामलों में से 47 का निपटारा किया गया और इन केसों में 1 करोड़ 11 लाख 96 हजार 81 रुपए की सेटलमेंट के आदेश पारित हुए। उन्होंने कहा कि इस राष्ट्रीय लोक अदालत में बैंक रिकवरी के 25 केसों में से 18 केसों का मौके पर निपटारा किया गया और 51 लाख 82 हजार 445 राशि की सेटलमेंट के आदेश पारित किए गए।

एमएसीटी के 162 केसों में से 62 का निपटान

इसी तरह क्रिमिनल कम्पाउंडेशन के 370 केसों में से 136 केसों का मौके पर ही निपटारा किया गया तथा 3 लाख 65 हजार 150 राशि के सेटलमेंट के आदेश पारित किए गए, एमएसीटी के 162 केसों में से 62 केसों का निपटान किया गया और 5 करोड़ 30 लाख 31 हजार के सेटलमेंट, एनआई एक्ट के 1569 केसों में से 83 केसों का निपटारा किया गया।

मन, कर्म, वचन से राष्ट्र सेवा को समर्पित है एयरफोर्स: दीपक गर्ग

यूआईईटी संस्थान में एक दिवसीय सिम्युलेशन ट्रेनिंग कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में यूआईईटी संस्थान में राष्ट्र शक्ति में ट्रेनिंग और प्लेसमेंट का दायरा विकसित करने को विद्यार्थियो के लिए एक दिवसीय सिम्युलेशन ट्रेनिंग का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर इंडियन एयरफोर्स के विंग कमांडर दीपक गर्ग ने विद्यार्थियों को इंडियन एयर फोर्स में जाने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि मन, कर्म और वचन जो हमारे ग्रंथों में भी दशार्या है देश सेवा इन्ही तथ्यों पर आधारित होती है। राष्ट्र शक्ति के निर्माण में युवाओं के जोश की आवश्यकता इंडियन एयरफोर्स को है। उन्होंने विद्यार्थियों को 1965 व 1971 के युद्ध, कारगिल वार व ऑपरेशन सिंदूर में होने वाले एयर फोर्स ऑपरेशन की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने वायु सेना के विभिन्न उपक्रम के बारे में बताया। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वो देश में राष्ट्रशक्ति को बढ़ाने के लिए एयरफोर्स ज्वाइन करें।

जीरो वेस्ट के लिए कुरुक्षेत्र का बनेगा रोल मॉडल: उपायुक्त

कुरुक्षेत्र। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि लोटस ग्रीन सिटी सेक्टर 9 जीरो वेस्ट के लिए कुरुक्षेत्र का रोल मॉडल बनेगा। इस सैक्टर में गीला और सूखा कचरा अलग-अलग करके हर घर से एकत्रित किया जाएगा। इसके बाद इस सेक्टर में कचरे खाद भी तैयार की जाएगी। इससे सेक्टर को जीरो वेस्ट बनाने के लिए सेक्टर 9 के सभी नागरिकों ने संकल्प भी लिया है। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा शनिवार को लोटस ग्रीन सिटी सेक्टर 9 की तरफ से स्वच्छ कुरुक्षेत्र मेरा कुरुक्षेत्र मेरा अभिमान कार्यक्रम के तहत लोगों से बातचीत कर रहे थे।

आचार्य देवव्रत को सौंपा महाराष्ट्र राज्यपाल का अतिरिक्त कार्यभार

ढोल की थाप पर झूमे गुरुकुल के छात्र, गुरुकुल परिवार ने बांटे लड्डू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

गुजरात के राज्यपालश्री एवं गुरुकुल कुरुक्षेत्र के संरक्षक आचार्य देवव्रत को माननीय उप राष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन द्वारा महाराष्ट्र के राज्यपाल का अतिरिक्त दायित्व दिया गया है। आचार्य देवव्रत की कार्यकुशलता और उन्नत कार्यशैली को देखते हुए भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने उन्हें यह दोहरी जिम्मेदारी सौंपी है, जिसे लेकर पूरे गुरुकुल परिवार में उत्साह का माहौल है। आज गुरुकुल कुरुक्षेत्र में इसी संदर्भ में एक विशेष यज्ञ कराया गया, तत्पश्चात गुरुकुल परिसर में लड्डू बांटे गए। गुरुकुल के ब्रह्मचारियों ने ढोल की थाप पर झूमकर अपनी खुशी व्यक्त की, वहीं गुरुकुल के प्रधान राजकुमार गर्ग, निदेशक ब्रिगेडियर डॉ. प्रवीण कुमार, प्राचार्य सूबे प्रताप, व्यवस्थापक रामनिवास आर्य ने आचार्य के सुपुत्र गौरव आर्य एवं उनकी पुत्रवधु कविता चौधरी को लड्डू खिलाकर बधाई दी।

नाम के अनुरूप कार्य कर रही नवीन जिंदल यशस्वी छात्रवृत्ति योजना : सिंगला

कुरुक्षेत्र। अग्रवाल वैश्य समाज हरियाणा के प्रदेश महासचिव राजेश सिंगला ने कहा कि कुरुक्षेत्र के सांसद एवं देश विख्यात उद्योगपति नवीन जिंदल द्वारा समाज सेवा के क्षेत्र में किए जा रहे उल्लेखनीय कार्य निरंतर नई प्रेरणा प्रदान कर रहे हैं। सांसद जिंदल अपने निजी कोष से अनेक समाजोपयोगी प्रकल्पों का संचालन कर क्षेत्र की जनता को सीधा लाभ पहुंचा रहे हैं। प्रदेश महासचिव राजेश सिंगला ने कहा कि विशेष रूप से स्वास्थ्य सेवा, सरकारी योजनाओं की जागरूकता और शिक्षा के क्षेत्र में उनका योगदान अत्यंत सराहनीय है। स्वास्थ्य सेवा में उनके द्वारा चलाई जा रही तीन आधुनिक मैडिकल वैन के अनुभवी एवं प्रशिक्षित डाक्टरों से लाखों मरीजों को उनके द्वार पर ही चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाई जा रही हैं। दूर दराज के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचा कर उन्होंने असंख्य परिवारों को राहत प्रदान की है, साथ ही नवीन संकल्प शिविरों का प्रतिदिन आयोजन कर वे ग्रामीणों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ दिला रहे हैं। सिंगला ने कहा कि इन शिविरों में ग्रामीणों को जागरूक करने, दस्तावेजी सहायता प्रदान करने और सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ दिलाने का काम निरंतर जारी है। शिक्षा के क्षेत्र में उनकी योजनाएं एवं पारदर्शिता विशेष रूप से प्रेरक है। उनकी धर्मपत्नी शालू जिन्दल का ड्रीम प्रोजेक्ट है कि कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र का कोई भी बच्चा संसाधनों की कमी की वजह से उच्च शिक्षा से वंचित न रहे।

कुरुक्षेत्र। सांसद नवीन जिंदल के साथ राजेश सिंगला व अन्य।

18 सितंबर से ठाकुरी देवी स्कूल के बाहर प्रारंभ होगा रामलीला मंचन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| लाडवा

शहर की धार्मिक मंचीय संस्था श्री राम हनुमान रामलीला समिति द्वारा 18 सितम्बर से रामलीला मंचन शुरू किया जाएगा। समिति के सचिव हेमन्त सैनी ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रभु श्रीराम की लीला का मंचन 18 सितम्बर से हर वर्ष की भांति ठाकुरी देवी स्कूल के बाहर रामलीला ग्राउंड में किया जाएगा जिसके लिए सभी पात्रों द्वारा अभ्यास सम्पूर्ण किया जा चूका है। समिति के प्रधान राजेश वर्मा ने रामलीला के कार्यक्रम के बारे में सम्बोधित करते हुए कहा कि 18 सितम्बर को नारद मोह, 19 को श्रवण कुमार, 20 को राम जन्म, 21 को ताड़का वध, 22 को सीता स्वयंवर , 23 को राम बनवास, 24 को दशरथ मरण, 25 को भरत मिलाप, 26 को पंचवटी, 27 को सीता हरण व बाली वध, 28 को अशोकवाटिका व लंका दहन, 29 को रावण अंगद संवाद, 30 को लक्ष्मण मूर्छा, 1 अक्तूबर को राम रावण युद्ध व 3 अक्तूबर को भगवान राम का राजतिलक किया जायेगा जिसके लिए उन्होंने क्षेत्रवासियों को आमंत्रित किया।

रामलीला को लेकर तैयारियां पूर्ण

समित के चेयरमैन व महानिदेशक डॉ अशोक निर्मल ने रामलीला की तैयारियों के बारे में बताते हुए कहा कि रामलीला मंचन के सभी पात्र अपनी तैयारी पूरी कर चुके हैं और साथ ही रामलीला मंचन की अन्य सभी तैयारियां पूरी की जा चुकी हैं। रामलीला मंचन में राम का पात्र अमित सिंघल, लक्ष्मण का पात्र राजेश वर्मा, सीता का पात्र विवेक शर्मा, रावण का पात्र योगीन्दर कम्बोज, दशरथ का पात्र कुश गर्ग, हनुमान का पात्र राकेश कम्बोज, मेघनाद का पात्र शशांक सिंघल, कौशल्या का पात्र इम्ना कटारिया, कैकेयी का पात्र सौरभ शर्मा सभालेंगे।

सांझी उत्सव में लोक सांस्कृतिक प्रदर्शनी बनेगी आकर्षण का केंद्र

कुरुक्षेत्र। वर्तमान दौर में लोक सांस्कृतिक परम्पराएं धीरे-धीरे समाप्ति की ओर अग्रसर हैं। इस दौर में विरासत हेरिटेज विलेज तथा एसोसिएशन ऑफ हरियाणवीज इन ऑस्ट्रेलिया लोक सांस्कृतिक परम्पराओं को जीवंत करने और युवा पीढ़ी से जोड़ने के लिए विशेष प्रयास कर रहा है। इसी कडी में 21 सितंबर से 1 अक्टूबर 2025 तक विरासत एएचए पांचवा सांझी उत्सव का आयोजन विरासत जी.टी रोड मसाना में किया जायेगा, वहीं पर लोक सांस्कृतिक विषय-वस्तुओं की प्रदर्शनी आने वाले दर्शकों व प्रतिभागियों के लिए विशेष आकर्षण का केन्द्र बनेगी। यह जानकारी विरासत सांझी उत्सव के निदेशक अभिनव पूनिया ने दी। उन्होंने बताया कि प्रदर्शनी में खेती-बाड़ी की पुरातन वस्तुएं, हरियाणा के परिवहन के साधनों में बैलगाड़ियां रेहडू, ठोकर, बैलड़ी के साथ-साथ पुरातन रियासतों के बाट, सौ साल पहले पानी देने के लिए प्रयोग की जाने वाली चडस व ढ़ेकली, पुराने समय में प्रयोग किए जाने वाले कांसे व पीतल के बर्तन, कूंए से पानी निकालने के लिए प्रयोग किए जाने वाले डोल, अनाज मापने के लिए प्रयोग किए जाने वाले माप, दूध बिलोने के लिए प्रयोग की जाने वाली रई, पुरानी पीतल की बाल्टियां, पुराने चरखे, विदाई के समय लडकी को दी जाने वाली लोक पारम्परिक फुलझड़ी, मिट्टी व लुगदी से बने बोहिए भी प्रदर्शित किये जाएंगे।

उन्मेष अंतरराष्ट्रीय साहित्य महोत्सव 25 से 28 तक

एशिया के सबसे बड़े साहित्य उत्सव में व्याख्यान देंगे प्रो. महासिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के आईआईएचएस हिंदी विभाग के अध्यक्ष व जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान व लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया साहित्य अकादमी, भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के तत्वावधान में, बिहार सरकार के सहयोग से 25 से 28 सितंबर 2025 तक पटना, बिहार में आयोजित होने वाले एशिया के सबसे बड़े उन्मेष अंतर्राष्ट्रीय साहित्य महोत्सव के तीसरे संस्करण में हरियाणा राज्य की तरफ से व्याख्यान देंगे। प्रो. महासिंह पूनिया ने बताया कि साहित्य अकादमी भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के अधीन कार्यरत भारत की प्रमुख साहित्यिक संस्था है, जो इसके द्वारा मान्यता प्राप्त 24 भाषाओं में भारतीय साहित्य को बढ़ावा देती है। इस महोत्सव में देश-विदेश के लगभग 600 लेखक, विद्वान, आलोचक, अनुवादक और प्रतिष्ठित हस्तियाँ भाग लेंगी। यह महोत्सव सम्राट अशोक कन्वेंशन सेंटर, गांधी मैदान रोड, पश्चिम गांधी मैदान, मुरादपुर, पटना, बिहार में 25 से 28 सितम्बर तक आयोजित किया जाएगा।

प्रो. महासिंह पूनिया।

रोटरी क्लब ने लगाया स्वास्थ्य चेकअप शिविर

शाहबाद। रोटरी क्लब शाहबाद मारकंडा द्वारा सिप्ला कंपनी के सहयोग से सिद्धार्थ हॉस्पिटल, लाडवा रोड, शाहाबाद मारकंडा में फ्री चेक-अप कैम्प का आयोजन किया गया जिसमे श्वसन संबंधी जांच की गई। कैम्प का संचालन प्रोजेक्ट चेयरमैन रो. डॉ. दीपक शर्मा की देखरेख में हुआ, उन्होंने कहा कि श्वसन स्वास्थ्य की अनदेखी अक्सर गंभीर बीमारियों का कारण बनती है, इसलिए श्वसन संबंधी जांच जैसे शिविर लोगों को समय पर जांच और सही दिशा देने का कार्य करते हैं। कैंप में 158 मरीजों की श्वसन संबंधी जांच की गई। जांच का कार्य सिप्ला कंपनी के श्री दीपक भाटिया ने किया।

तैयारी सांसद नवीन जिन्दल ने सांसद खेल महोत्सव को लेकर ली बैठक

बैठक में कुरुक्षेत्र, कैथल और यमुनानगर के जिला खेल अधिकारी मौजूद रहे

खेल महोत्सव का उद्देश्य अधिक से अधिक युवाओं को खेलों से जोड़ना : सांसद जिंदल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

सांसद नवीन जिन्दल ने कुरुक्षेत्र स्थित जिन्दल हाउस में कुरुक्षेत्र, कैथल और यमुनानगर के जिला खेल अधिकारियों तथा नवीन जिंदल फाउंडेशन के पदाधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य सांसद खेल महोत्सव की तैयारियों की समीक्षा और इसे सफल बनाने के लिए व्यापक रणनीति पर विचार-विमर्श करना था। सांसद नवीन जिंदल ने बैठक में कहा कि सांसद खेल महोत्सव का मकसद अधिक से अधिक युवाओं को खेलों से जोड़ना है। खेल न केवल शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत करते हैं बल्कि यह युवाओं को नशे जैसी बुराइयों से भी दूर रखने का सबसे प्रभावी साधन हैं।

टीम गठित करने के दिए निर्देश

बैठक के दौरान सांसद नवीन जिन्दल ने निर्देश दिए कि पहले से शामिल खेलों के अलावा कुछ अन्य खेलों को भी सांसद खेल महोत्सव में जोड़ा जाए ताकि प्रतिभागियों को विविध अवसर मिल सकें। उन्होंने सांसद खेल महोत्सव में विशेष रूप से पोलो का एक डेमोंसट्रेशन मैच आयोजित करने की बात कही, जिससे युवाओं को इस पारंपरिक खेल से परिचित कराया जा सके। सांसद नवीन जिन्दल द्वारा सांसद खेल महोत्सव को सफल बनाने के लिए व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जाएगा। इसके लिए उन्होंने नवीन जिन्दल फाउंडेशन की एक टीम गठित करने के निर्देश दिए, जो गांव-गांव और ब्लॉक स्तर पर जाकर महोत्सव के प्रति जागरूकता अभियान चलाएगी, साथ ही उन्होंने जिला खेल अधिकारियों से कहा कि वे अपने जिले में खेल नर्सरियों और स्टेडियम में आने वाले खिलाड़ियों को इस महोत्सव से जोड़ने की पहल करें।

मंत्री विज बोले, मैं वॉर रूम कभी भी आकर चेक करूंगा

इंडस्ट्रियल एरिया में व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने को पांच सदस्यीय समिति का गठन

इंडस्ट्रियल एरिया में सफाई व दवा का छिड़काव युद्ध स्तर पर करने के निर्देश दिए, पेयजल व बिजली व्यवस्था भी होगी दुरुस्त

वॉर रूम भी किया गया स्थापित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

जलभराव पर सख्ती: इंडस्ट्रियल एरिया में गंभीर जलभराव की समस्या को देखते हुए मंत्री अनिल विज सक्रिय हुए।

इंडस्ट्रियल एरिया में जलभराव की गंभीर समस्या को लेकर मंत्री अनिल विज पूरी हरकत में दिख रहे हैं। एरिया में व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के लिए उनकी ओर से पांच प्रतिनिधियों की एक कमेटी गठित की गई है। साथ ही यहां एक वार रूम भी स्थापित करने के निर्देश दिए। इसमें एचएसआईआईडीसी, जन स्वास्थ्य विभाग, बिजली निगम, नगर परिषद व पुलिस कर्मचारी शामिल होंगे जोकि रोस्टर के हिसाब से यहां तब तक रहेंगे जब तक यहां सभी व्यवस्था दुरूस्त न हो जाएं।

वार रूम स्थापित करने के लिए इंडस्ट्रियल एरिया स्थित एक फैक्टरी में कमरा भी तय किया गया। कमेटी में इंडस्ट्रियल एरिया के प्रतिनिधि सुभाष धीमान, गोपी सहगल, कमलजीत जैन, कपिल वर्मा व अखिल गुप्ता को शामिल किया गया।

यह सभी प्रतिनिधि सम्बन्धित विभागों के साथ समन्वय बनाकर यहां पर सभी व्यवस्थाओं को दुरूस्त करवाने में सहयोग करेंगे। विज ने शनिवार को इंडस्ट्रियल एरिया में दौरा किया। यहां पर पानी उतरने के बाद युद्ध स्तर पर सफाई अभियान चलाने और दवा का छिडक़ाव करने के दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने नगर परिषद अधिकारियों को एरिया में पूरी ताकत व संख्या के साथ सफाई अभियान चलाने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त उन्होंने पेयजल व बिजली आपूर्ति को सुचारू करने के निर्देश दिए।

मंत्री अनिल विज ने नालों व सडक़ों किनारे जहां भी पानी शेष रह गया है उसे सुपर सकर मशीन के माध्यम से निकालने के निर्देश दिए। कहा कि जब तक सुपर सकर मशीन यहां नहीं पहुंचती तब तक वह इंडस्ट्रियल से नहीं जाएंगे।

अंबाला। पानी निकासी के कार्य का जायजा लेते मंत्री अनिल विज।

डाली जाए स्ट्रॉम वॉटर लाइन डाली

ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने इस दौरान एचएसआईआईडी के कार्यकारी अभियंता बलदेव सिंह व जन स्वास्थ्य विभाग के कार्यकारी अभियंता से पानी की सप्लाई शुरू होने बारे भी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि आगामी समय में इंडस्ट्रियल एरिया को नहरी पानी से जोडने का काम किया जाएगा। उन्होंने इस दौरान एचएसआईआईडी के कार्यकारी अभियंता बलदेव सिंह को कहा कि जल भराव की स्थिति से निपटने के लिए अंबाला छावनी सदर बाजार में स्ट्रॉम वाटर पाईप लाईन डाली गई है। इसी तर्ज पर वे यहां के लिए रूपरेखा बनाएं। इस दौरान विज ने एक फैक्टरी का भी निरीक्षण किया और यहां पर जल भराव के तहत जो भी नुकसान हुआ था उसका जायजा लिया। ऊर्जा मंत्री ने उपायुक्त को भी फोन करके कहा कि इंडस्ट्रियल एरिया के प्रतिनिधियों की इंश्योरैंस से संबंधित कारोबारियों की समस्यांए को हल करने के निर्देश दिए।

इंडस्ट्रियल एरिया में सफाई अभियान का निरीक्षण

मशीन के आने पर ही उन्होंने उसकी कार्यप्रणाली को चेक भी किया। उन्होंने इंडस्ट्रियल एरिया का दौरा करते हुए कहा कि यह सारे शहर की नब्ज होती है। यहां पर हजारों लोग काम करते हैं जिनकी आजीविका यहां से जुड़ी हुई है। इस मौके पर उन्होंने अपने समक्ष सुपर सकर मशीन के माध्यम से सफाई व्यवस्था के कार्य को करवाना शुरू किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने नगर परिषद के कर्मचारी को निर्देश दिए कि वे यहां पर तेल छिडकाव का कार्य करवाएं। कोई भी कौना नहीं छुटना चाहिए। इसके साथ-साथ चूना भी डलवाएं ताकि कोई भी जल जनित बीमारी न पनप सके। उन्होंने यहां पर यह भी कहा कि यदि कोई फैक्टरी संचालक अनुमति देता है कि उसके अंदर तेल का छिडकाव करना है।

खबर संक्षेप

धूमधाम से मनाया गया हिंदी दिवस

बराड़ा। संत मोहन सिंह खालसा लबाना गर्ल्स कॉलेज में हिंदी दिवस बड़े उत्साह और धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ कॉलेज की प्राचार्या डॉ. दलजीत कौर विर्क, हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. नवनीत कौर और डॉ. सुमन देवी द्वारा किया गया।

नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आज

बराड़ा। राष्ट्र जागरण मंच ट्रस्ट और गुरुद्वारा सुख निधान लंगर साहिब की प्रबंधक कमेटी की ओर से 14 सितंबर को नि:शुल्क नेत्र शिविर एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह कैंप मुख्य सेवादार बाबा राजविंदर सिंह की देखरेख में आयोजित किया जा रहा है। ट्रस्ट के संस्थापक अमरिंद्र सिंह ने बताया कि शिविर में मुख्यअतिथि के रूप में ब्लॉक समिति के वाइस चेयरमैन मलकीत व विशिष्ट अतिथि के रूप में नपा सदस्य गुरजिंदर कौर होंगी।

घटते लिंगानुपात पर जताई चिंता

बराड़ा। आशा वर्कर यूनियन की बैठक आयोजित की गई जिसमें यूनियन की जिला सचिव कविता शर्मा सहित सभी पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक में घटते लिंगानुपात पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई। बताया गया कि इसका मुख्य कारण कन्या भ्रूण हत्या है। कविता शर्मा ने बताया कि इस सामाजिक बुराई के खिलाफ आशा वर्कर यूनियन ने 1 सितंबर 2025 से प्रदेशव्यापी जागरूकता जत्था अभियान की शुरुआत की है। इस अभियान के तहत जत्था जिले में 23 व 24 सितंबर को पहुंचेगा।

लोक अदालत में 2.13 करोड़ का सेटलमेंट

अंबाला। जिला न्यायालय में जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कंचन माही की देखरेख में संपन्न हुई लोक अदालत में विभिन्न प्रकार के कुल 19,192 मामलों का निपटारा आपसी समझौते के आधार पर किया गया। इसके अतिरिक्त, पक्षकारों के बीच हुए समझौतों से2,13,94,650/ की उल्लेखनीय राशि का सेटलमेंट भी हुआ।इस अवसर पर उपस्थित पक्षकारों ने लोक अदालत की प्रक्रिया की सराहना करते हुए इसे सस्ता, सरल और त्वरित न्याय का सशक्त माध्यम बताया।

नृत्य और गायन में छात्राओं ने दिखाई प्रतिभा

शहजादपुर। राजकीय महिला महाविद्यालय में कॉलेज प्राचार्य डॉ. कश्मीर सिंह की अध्यक्षता कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के सौजन्य से दो दिवसीय प्रतिभा खोज प्रतियोगिता का समापन हुआ। दूसरे दिन नृत्य तथा गायन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध गायिका एवं विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बतौर निर्णायक कार्य करने वाली सुनीता दुआ सहगल ने विशेष रूप से शिरकत की। उन्होंने दोनों प्रतियोगिताओं में बतौर निर्णायक कार्य किया तथा अपनी मनमोहक प्रस्तुति से सभी का दिल जीता।

पोस्टमार्टम में हुआ खुलासा

कॉलर बोन के छाती में घुसा था चाकू इसी वजह से हुई थी राहुल की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

पुलिस ने पांच आरोपियों पर किया हत्या व हत्या के प्रयास का केस

अंबाला छावनी की बब्याल सिसौदिया धर्मशाला के निकट दो दिन पहले युवक की हत्या के मामले में पुलिस आरोपियों की धरपकड़ कर रही है। पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने राहुल (19) का शव परिजनों के हवाले कर दिया। फोरेंसिक एक्सपर्ट डॉक्टर ने शव का पोस्टमार्टम किया। पोस्टमार्टम में सामने आया कि राहुल की कॉलर बोन के पास से छाती में घुसा चाकू मौत की वजह बना।

हमले में विशाल (20) को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी मिल गई है। राहुल की हत्या के बाद घर में मातम पसरा हुआ है।महेश नगर थाना पुलिस ने पांच पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। फिलहाल हमलावरों के नाम की अभी पुलिस की तरफ से पुष्टि नहीं की गई है। थाना प्रभारी इंस्पेक्टर जितेंद्र ने बताया कि पहले दोनों पक्षों में लड़की को लेकर झगड़ा चल रहा था। उसी रंजिश के चलते बब्याल के ही युवकों ने हमला कर दिया। रात को ही गांव व अस्पताल में भारी पुलिस बल तैनात था। किसी झगड़े की आशंका के चलते पुलिस तैनात थी।

मृतक के पिता राजकुमार ने बताया कि उनके तीन बेटे हैं और राहुल सबसे छोटा था। सबसे बड़े बेटे का कुछ समय पहले ही रिश्ता हुआ था। उसकी जल्द शादी करवाने को लेकर तैयारी चल रही थी। राहुल रेहड़ी लगाने के अलावा कभी-कभी ऑटो भी चलाता था जबकि विशाल भी उनके घर के सामने चंदपुरा गांव में ही रहता है। महेश नगर थाना पुलिस ने कुछ युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ की है। हमलावर स्विफ्ट कार में आए थे। पुलिस ने मौके से राहुल पर हुए हमले का चाकू भी बरामद कर लिया है।

आपराधिक तत्वों को बख्शा नहीं जाएगा

सब इंस्पेक्टर प्रमोद राणा ने मुलाना थाना का कार्यभार संभाला

मुलाना। मुलाना थाना में नए थाना प्रभारी सब इंस्पेक्टर प्रमोद राणा ने कार्यभार संभाल लिया है। पदभार ग्रहण करते ही उन्होंने थाना स्टाफ के साथ बैठक कर अपराधों पर अंकुश लगाने और क्षेत्र की कानून-व्यवस्था को सख्ती से कायम रखने के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए। राणा ने साफ कहा कि क्षेत्र की सुरक्षा और शांति उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि थाने में आने वाला हर व्यक्ति न्याय पाए, इसके लिए पुलिस पूरी ईमानदारी और पारदर्शिता से कार्य करेगी। साथ ही अपराधियों पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी और किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। बैठक के दौरान उन्होंने पुलिस-जन सहयोग पर भी विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि "अपराध पर अंकुश लगाने और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने के लिए जनता का सहयोग जरूरी है।

टूटी सड़कें तुरंत करवाई जाए रिपेयर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

वीसी के जरिए सीएम नायब सैनी ने प्रदेश के सभी विभागीय अधिकारियों को दिए निर्देश

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को चंडीगढ़ से आयोजित वीसी के माध्यम से प्रदेश में भारी वर्षा के चलते सडक़ों के सुधार कार्य की समीक्षा की। उन्होंने सडक़ों को दुरूस्त करने बारे आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने लोक निर्माण विभाग, एनएचएआई, मार्केटिंग बोर्ड व अन्य सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों से बरसात से टूटी सड़कों की जानकारी ली। उन्हें निर्देश दिए कि वे प्राथमिकता के आधार पर सडक़ों को ठीक करना सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने इस दौरान एंजेंसियों को यह भी कहा कि जहां पर यदि बरसाती पानी को निकालने के लिए कटाव किया गया है उस जगह पर पैरलर पाइप या अन्य व्यवस्था करें ताकि आगे यहां पर जल भराव की स्थिति उत्पन्न न हो सके। उपायुक्त ने मुख्यमंत्री को बताया कि जिले में जल भराव के चलते जिन सडक़ों पर गड्ढे हुए थे उन्हें दुरूस्त करने की दिशा में अधिकारियों को निर्देश दिए जा चुके हैं। इसके बाद डीसी ने अधिकारियों को बरसाती पानी से टूटी सड़कों को रिपेयर करने के आदेश दिए।

अंबाला। वीसी के दौरान मौजूद प्रशासनिक अधिकारी।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर कार्यकारी अभियंता रितेश अग्रवाल, कार्यकारी अभियंता नवनीत श्योराण, कार्यकारी अभियंता संदीप कुमार, कार्यकारी अभियंता जसविन्द्र मलिक, एनएचएआई से पुलकित, कार्यकारी अभियंता एचएसवीपी कैलाश भी मौजूद रहे।

आईटीआई में अब ऑन दि स्पॉट मिलेगा दाखिला

- भारांपुर में 136 सीटें खाली,
- 13 से आवेदन की प्रक्रिया शुरू, 30 दिन तक दाखिला लेकर जमा करवाना होगी ऑनलाइन फीस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| शहजादपुर

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान भारांपुर में अब ऑन दि स्पॉट दाखिला मिलेगा। प्रधानाचार्य सुलतान सिंह ने बताया कि सत्र 2025-26 के लिए संस्थान में रिक्त रह गई सीटों के प्रति दोबारा दाखिला प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। आवेदक दाखिला पोर्टल पर 13 सितंबर 2025 से आवेदन भर सकते हैं। उन्होंने बताया कि सत्र 2025-26 में रिक्त सीटों पर ऑन द स्पॉट दाखिला प्रक्रिया 15 से 30 सितंबर 2025 तक संस्थान स्तर पर आयोजित की जाएगी। दाखिला नए एवं पुराने आवेदनों की संयुक्त मेरिट के आधार पर किया जाएगा। इसमें कोई आरक्षण लागू नहीं होगा। इच्छुक अभ्यर्थी 30 सितंबर 2025 दोपहर 12:00 बजे तक अपने मेरिट कार्ड एवं सभी मूल प्रमाण पत्रों के साथ संस्थान में उपस्थित होकर दाखिला ले सकते हैं।

दाखिला होगा ऑनलाइन

दाखिला प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से होगी एवं फीस भी ऑनलाइन जमा होगी। प्रधानाचार्य सुलतान सिंह ने बताया कि राजकीय आईटीआई भारांपुर में विभिन्न व्यवसायों जैसे ड्रेस मेकिंग, पेंटर जनरल, प्लंबर, शीट मेटल वर्कर, टर्नर, वेल्डर व वुड वर्क टेक्निशियन सहित कुल 136 सीटें खाली हैं जिनमें अभ्यार्थी दाखिला लेकर अपना कैरियर बना सकते हैं। उन दसवीं पास व आठवीं पास छात्र-छात्राओं के लिए दाखिला लेने हेतु यह एक बहुत बड़ा अवसर है जो कहीं भी किसी कारण दाखिला नहीं ले पाए। उन्होंने सभी पात्र अभ्यर्थियों से अनुरोध है कि वे समय पर उपस्थित होकर इस अवसर का लाभ उठाएं।

मणिपुर की जनता से प्रधानमंत्री को चाहिए माफी मांगनी

पीएम के मणिपुर दौर को लेकर प्रदेश कांग्रेस के पूर्व कोषाध्यक्ष रोहित जैन ने दी तीखी प्रतिक्रिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

प्रदेश कांग्रेस के पूर्व कोषाध्यक्ष एडवोकेट रोहित जैन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मणिपुर दौरे पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि यह दौरा अढाई साल बाद की औपचारिकता भर है। जब मणिपुर जल रहा था, महिलाएं अपमानित हो रही थीं, बच्चियां नग्न कर घुमाई जा रही थीं, जवान मारे जा रहे थे और हजारों परिवार विस्थापित होकर राहत शिविरों में थे तब प्रधानमंत्री देश से बाहर दौरों पर थे और मौन साधे बैठे थे। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के डेलीगेट एडवोकेट रोहित जैन शनिवार को पार्टी ऑफिस में कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री रेलवे प्रोजेक्ट का उद्घाटन करने के बहाने मणिपुर पहुंचे हैं लेकिन वहां की जनता की अपेक्षा थी कि वे हाथ जोड़कर खड़े हों, माफी मांगें और कहें कि मणिपुर को उसके हाल पर छोड़ देना एक भूल थी। माफी उन माताओं से भी होनी चाहिए जिनके बेटे हिंसा में मारे गए, उन बहनों से होनी चाहिए जिनकी अस्मत लूटी गई, उन सैनिक परिवारों से होनी चाहिए जिनकी मां-बहनों को भीड़ ने अपमानित किया और उन विस्थापितों से होनी चाहिए जिनका जीवन उजड़ गया। जैन ने कहा कि प्रधानमंत्री का वहां सांस्कृतिक कार्यक्रम देखना, नृत्य का आनंद लेना और रेलवे का उद्घाटन करना संवेदनहीनता का प्रमाण है। मणिपुर के स्थाई निवासियों ने भी इस दौरे का विरोध किया क्योंकि उन्हें लगा कि प्रधानमंत्री पीड़ा बांटने नहीं बल्कि बहाना बनाकर औपचारिकता निभाने आए हैं। जैन ने चेतावनी दी कि यदि सरकार केवल उद्घाटन और दौरे तक सीमित रहती है और शांति, पुनर्वास तथा न्याय के ठोस कदम नहीं उठाती तो मणिपुर का घाव और गहरा होगा तथा देश में असंतोष और बढ़ेगा।

अंबाला। पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते एडवोकेट रोहित जैन।

जैन सभा सदस्यों ने जैन मुनियों से मेरठ में लिया आशीर्वाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मुलाना

एसएस जैन सभा के सदस्यों ने मेरठ के जैन नगर स्थित एसएस जैन स्थानक में विराजमान जैन धर्म प्रभावक श्रमन गौरव पूज्य गुरुदेव अचल मुनि एवं प्रवचन सूर्य पूज्य भरत मुनि /"भव्य/" के पावन दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान धर्मसभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को मार्गदर्शन देते हुए गुरुदेव श्री अचल मुनि ने जीवन के मूल्यों पर विशेष प्रकाश डाला। गुरुदेव अचल मुनि ने अपने प्रवचन में कहा कि "मनुष्य को केवल प्रकृति से ही इंसान नहीं बनना चाहिए बल्कि स्वभाव से भी इंसान बनना आवश्यक है। जन्म से मनुष्य होना तो सहज है लेकिन आचरण और व्यवहार से मनुष्यत्व को धारण करना ही सच्ची साधना है। यदि हमारे स्वभाव में करुणा, विनम्रता, क्षमा और दया का भाव नहीं है तो केवल मानव शरीर धारण करना पर्याप्त नहीं है। सच्चा इंसान वही है जो अपने कर्मों और विचारों से समाज में सद्भाव, प्रेम और सहयोग की प्रेरणा दे।" उन्होंने आगे कहा कि इस समय में भौतिक सुख-सुविधाओं के पीछे भागते हुए मनुष्य अपने भीतर के इंसान को भूलता जा रहा है। मनुष्य को चाहिए कि वह आत्मावलोकन करे, अपने दोषों को पहचाने और उन्हें दूर करने का प्रयास करे।

मनुष्य को प्रकृति के साथ स्वभाव से भी इंसान बनना जरूरी

मुलाना। जैन मुनियों का आशीर्वाद लेते जैन सभा के पदाधिकारी।

आईटीआई होली में भी मौके पर ही दाखिला लेने का मौका

बराड़ा। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) होली के प्रधानाचार्य अश्वनी कुमार ने बताया कि सत्र 2025-26 के लिए संस्थान में रिक्त रह गई सीटों पर दाखिला प्रक्रिया दोबारा शुरू कर दी गई है। इच्छुक आवेदक 13 सितंबर 2025 से दाखिला पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि ऑन द स्पॉट दाखिला 15 सितंबर से 30 सितंबर 2025 तक किया जाएगा। विभिन्न व्यवसायों जैसे टर्नर, फिटर, वेल्डर, वूडवर्क्स टेक्निशियन, सूइंग टेक्नोलॉजी, एंब्रॉयडरी, इलेक्ट्रोनिक मैकेनिक, ड्राफ्ट्समैन सिविल, ड्राफ्ट्समैन मैकेनिक, पेंटर जनरल में कुल 130 सीटें खाली हैं। छात्र-छात्राएं इन ट्रेड्स में दाखिला लेकर अपने करियर को नई दिशा दे सकते हैं। प्रधानाचार्य ने बताया कि यह अवसर विशेष रूप से उन विद्यार्थियों के लिए है जो दसवीं अथवा आठवीं पास हैं। किसी कारणवश पहले दाखिला नहीं ले पाए। उन्होंने गांव होली तथा आसपास के क्षेत्रों के अभिभावकों से आह्वान किया कि वे अपने बच्चों को आईटीआई होली में दाखिला दिलाकर उन्हें रोजगारोन्मुखी शिक्षा प्रदान करें।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20, फोन : 9253681010, 9253681005

प्रतियोगिता वर्ग: अंडर-13, अंडर-17 और ओपन कैटेगरी में मुकाबले

पुलिस-पब्लिक चेस चैंपियनशिप में 300 ने लिया हिस्सा

एसपी बोले युवाओं को नशे के खिलाफ चल रहे अभियान में जोड़ने के मकसद से आयोजित की जा रही है चैंपियनशिप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला शहर के पुलिस डीएवी पब्लिक स्कूल में पहली बार पुलिस पब्लिक चेस चैंपियनशिप का आयोजन किया गया है। इसका शुभारंभ शनिवार को पुलिस अधीक्षक अजीत सिंह शेखावत ने किया। पुलिस अधीक्षक के इस कार्यक्रम में पहुंचने पर स्कूल प्रिंसिपल डॉक्टर विकास कोहली ने पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया। नशे के विरुद्ध इस कार्यक्रम के आयोजन लिए पुलिस अधिकारियों का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि पुलिस की ये पहल निश्चित ही युवाओं को नई ऊर्जा देगी। इस प्रतियोगिता में लगभग 300 से अधिक बालक-बालिकाएं शतरंज के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रही हैं।

अंबाला। खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाते एसपी व अन्य।

अंबाला में पुलिस-पब्लिक चेस चैंपियनशिप से नशामुक्ति संदेश

इसे तीन वर्गों – अंडर-13, अंडर-17 एवं ओपन कैटेगरी में विभाजित किया गया है। पहले दिन 3 राउंड और दूसरे दिन 4 राउंड (टेंटेटिव) करवाए जाएंगे। विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया जाएगा। प्रतियोगिता के सफल संचालन हेतु चीफ ऑर्बिटर हरप्रीत सिंह (पटियाला) एवं उनकी टीम को नियुक्त किया गया है। यहां अपने संबोधन में एसपी अजीत सिंह शेखावत ने कहा कि पुलिस केवल कानून-व्यवस्था तक सीमित नहीं है बल्कि समाज को सकारात्मक दिशा देने के लिए भी निरंतर प्रयासरत है। नशा आज युवाओं के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। शतरंज जैसा खेल बच्चों और युवाओं को सोचने, समझने और सही निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करता है। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य अधिक से अधिक युवाओं को खेलों के साथ जोड़ना है ताकि युवा वर्ग खेलों के माध्यम से अपने व्यक्तित्व का विकास करें और नशे जैसी बुराइयों से दूर रहकर खेलों में अपना भविष्य खोजें। उन्होंने कहा कि पुलिस द्वारा लगातार जागरूकता अभियान चलाकर आमजन को जागरूक किया जा रहा है तथा साथ-साथ नशा तस्करों पर कड़ी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बतलाया कि नशा तस्करों के खिलाफ 100 से अधिक मामले दर्ज कर उन्हें जेल की सलाखों के पीछे भेजा जा चुका है। एसपी ने बताया कि अंबाला में नशे के विरुद्ध एक टीम का भी गठन किया हुआ है जो घर - घर पहुंचकर सर्वे करती है। नशे के आदि हो चुके लोगों का इलाज करवा रही है। साथ-साथ अवैध कार्य करने वालों के खिलाफ कठोरता से कार्रवाई भी कर रही है। एसपी ने सभी स्कूलों के प्रिंसिपल, सामाजिक संस्थाओं युवाओं ओर बच्चों का इस चेस चैंपियनशिप में पहुंचने और भाग लेने के लिए धन्यवाद दिया। भविष्य में नशे के विरुद्ध इस मुहिम को जन जन तक पहुंचने के लिए अपील करते हुए कहा कि हम सब साथ मिलकर ही इस नशे रूपी दानव का अंत कर सकते है।

विश्व में सर्वाधिक बोली जाने वाली तीसरी भाषा हिंदी की जड़ें प्राचीन भारतीय आर्य भाषा परिवार की है, जिसकी जननी संस्कृत है। संस्कृत, जिसे 'देववाणी' भी कहा जाता है। इसकी विशिष्टताओं ने हिंदी को आज विश्व के कोने-कोने तक पहुंच दिया है। अगर इसके प्रसार के लिए कुछ और प्रयास किए जाएं तो निस्संदेह इसका वर्चस्व और भी बढ़ेगा।

भारत की आत्मा है हिंदी

आवरण कथा / भूपेंद्र शर्मा

आज हिंदी भाषा भारत तक सीमित नहीं है। यह विश्व भर में एक सशक्त पहचान बना चुकी है। दुनिया के कई देशों में लाखों लोगों द्वारा बोली जाती है। भारत की आधिकारिक भाषा के रूप में, हिंदी सीखने से भारतीय आबादी के एक बड़े हिस्से के साथ संवाद एवं जुड़ने का अवसर मिलता है। भारत की विविध संस्कृति, जीवंत अर्थव्यवस्था तथा समृद्ध विरासत हिंदी को यात्रा, कार्य एवं सांस्कृतिक खोज के लिए एक श्रेष्ठ माध्यम बनाती है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत के बढ़ते प्रभाव के कारण हिंदी में कुशल पेशेवरों की मांग बढ़ रही है। कई बहुराष्ट्रीय कंपनियां, विशेष रूप से जिनके भारत में निर्माण, उत्पादन कार्य या ग्राहक हैं, उन कर्मचारियों को महत्व देती है, जो हिंदी में प्रभावी ढंग से संवाद कर सकते हैं। हिंदी सीखना करियर की संभावनाओं को बढ़ा सकता है, खासकर अंतरराष्ट्रीय व्यापार, पर्यटन, पत्रकारिता, अनुवाद एवं कूटनीतिक सेवाओं जैसे क्षेत्रों में।

क्षेत्रीय भाषाओं का प्रवेश द्वार

हिंदी का विकास कई चरणों में हुआ। अपभ्रंश से होते हुए, इसने अपनी वर्तमान पहचान बनाई। मध्यकाल में खड़ी बोली के रूप में इसने अपनी नींव रखी, जो आगे चलकर आधुनिक हिंदी का आधार बनी। हिंदी भारत में बोली जाने वाली विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं को समझने एवं सीखने के लिए एक प्रवेश द्वार की तरह है। बंगाली, मराठी, गुजराती एवं पंजाबी सहित कई भारतीय भाषाएं व्याकरण, शब्दावली तथा लिपि के मामले में हिंदी के साथ समानताएं साझा करती हैं।

फिल्म उद्योग तक पहुंच

भारतीय फिल्म उद्योग में प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में फिल्मों का निर्माण होता है, जिन्हें भारत में ही नहीं, विश्व के अनेक देशों में देखा जाता है। हिंदी सिनेमा की विश्व में अद्भुत लोकप्रियता है। विदेशों में हिंदी के प्रसार में हिंदी फिल्मों का बड़ा योगदान है। हिंदी फिल्में, हिंदी गीत एवं टीवी शो की जीवंत दुनिया हिंदी सीखने वालों के लिए बड़ा सरल माध्यम है। वहीं इनके माध्यम से विश्वभर में फैले भारतीय प्रवासियों के साथ भारत एवं भारतीय संस्कृति के अटूट, मधुर संबंध स्थापित होते हैं। इसीलिए हिंदी को भारत की आत्मा कहते हैं।

विश्व में 61 करोड़ हिंदी भाषी

वर्ल्ड लैंग्वेज डेटाबेस के अनुसार, हिंदी भाषा वर्तमान समय में 61 करोड़ लोगों द्वारा बोली जाती है। विश्व हिंदी सचिवालय मॉरीशस में स्थित है। यह सचिवालय हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए 11 फरवरी 2008 से कार्यरत है। हिंदी भाषा को बढ़ावा देने के लिए समय-समय पर अखिल भारतीय भाषा साहित्य सम्मेलनों का आयोजन किया जाता है।

राजभाषा विभाग के प्रयास

सन 2019 से सभी 59 मंत्रालयों में हिंदी सलाहकार समितियों का गठन किया गया। अब तक कुल 528 नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों का गठन भी किया जा चुका है। विदेशों में भी लंदन, सिंगापुर, फिजी, दुबई एवं पोर्ट-लुई में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियां बनाई गई हैं। भारत ने संयुक्त राष्ट्र में हिंदी भाषा के उपयोग को बढ़ावा देने की भी पहल की है। पहला अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन बनारस में 13-14 नवंबर, 2021 को तथा 14 सितंबर 2022 को सूरत में दूसरा सम्मेलन आयोजित किया गया। इस साल पुणे में तीसरा अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। विभाग ने कुल 90 हजार शब्द का एक 'ई-महाशब्दकोष' मोबाइल एप तथा लगभग 9 हजार वाक्य का 'ई-सरल' वाक्यकोष भी तैयार किया है।

हिंदी की विशिष्टताएं

देवनागरी लिपि: हिंदी देवनागरी लिपि में लिखी जाती है, जो देखने में मनमोहक और ध्वन्यात्मक रूप से सटीक है। इसमें 11 स्वर एवं 33 व्यंजन हैं, जिनमें प्रत्येक ध्वनि का अलग स्वर एवं उच्चारण है।

स्वर की लंबाई: हिंदी में कुछ स्वर ध्वनियों का उच्चारण विस्तारित अवधि के साथ किया जा सकता है, जिससे शब्दों का अर्थ बदल जाता है। उदाहरण के लिए, 'मा' का अर्थ 'मां' है, जबकि 'मान' का अर्थ 'सम्मान' है।

मानद रूप: हिंदी व्यक्तियों को सम्मानपूर्वक संबोधित करने के लिए मानद रूपों को शामिल करती है। बड़ों, सम्मानित व्यक्तियों या उच्च सामाजिक स्थिति वाले व्यक्तियों से बात करते समय सम्मानजनक सर्वनामों, क्रिया रूपों एवं वाक्य संरचनाओं का उपयोग भाषा के सांस्कृतिक प्रभाव को सम्मान एवं शिष्टाचार के साथ प्रदर्शित करता है।

लिंग वाली संज्ञा: हिंदी में संज्ञाओं के तीन लिंग हैं। पुल्लिंग, स्त्रीलिंग एवं नपुंसकलिंग। एक संज्ञा का लिंग अकसर विशेषणों, क्रियाओं तथा सर्वनामों के समझौते को निर्धारित करता है, जो इसके साथ उपयोग किए जाते हैं।

सर्वनाम का अंतर: हिंदी एकवचन के लिए औपचारिक एवं अनौपचारिक सर्वनामों के बीच अंतर करती है। औपचारिक सर्वनाम 'आप' का प्रयोग सम्मान दिखाने या उच्च पदस्थ व्यक्ति को संबोधित करने के लिए किया जाता है, जबकि अनौपचारिक सर्वनाम 'तुम' का प्रयोग समान सामाजिक स्थिति वाले व्यक्तियों के साथ किया जाता है।

जटिल क्रिया प्रणाली: हिंदी की क्रिया प्रणाली में विभिन्न क्रिया रूप एवं काल हैं। क्रियाओं का संयोजन तनाव, पहलू, मनोदशा एवं विषय के साथ समझौते जैसे कारकों से प्रभावित होता है, जिससे भाषा की क्रिया संरचना जटिल तथा अभिव्यंजक हो जाती है।

संस्कृत का प्रभाव: हिंदी पर संस्कृत का गहरा प्रभाव है। कई हिंदी शब्दों की उत्पत्ति संस्कृत से हुई है, जो शब्दावली को समृद्ध करती है तथा भारत की प्राचीन सांस्कृतिक एवं दार्शनिक परंपराओं के साथ गहरा संबंध प्रदान करती है।

ध्वनि विविधता: हिंदी में ध्वनियों की एक विस्तृत श्रृंखला है, जिसमें स्वर, व्यंजन एवं नासिक्य ध्वनियां हैं। इसकी ध्वन्यात्मक सूची विविध मधुर उच्चारण प्रवाहित करती है।

क्षेत्रीय विविधता: भारत के विभिन्न हिस्सों में हिंदी की विभिन्न क्षेत्रीय बोलियां तथा शैली है। प्रत्येक क्षेत्र की अपनी शब्दावली, उच्चारण एवं व्याकरणिक विविधताएं हैं, जो हिंदी भाषी जनमन के भीतर भाषाई विविधता को दर्शाती हैं।

अभी अधूरा है विकास

हिंदी अपनी वैश्विक पहचान रखती है, किंतु इसके विकास के लिए अभी भी बहुत कुछ किया जाना शेष है।

तकनीकी विकास: हिंदी में तकनीकी शब्दावली को अधिक विकसित करने की आवश्यकता है, ताकि विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में इसका उपयोग बढ़ सके।

मानकीकरण एवं सरलता: बोल-चाल एवं लेखन में एकरूपता लाने के लिए मानकीकरण को बढ़ावा देना आवश्यक है।

सरकारी प्रोत्साहन: सरकार को हिंदी के उपयोग को सभी क्षेत्रों में बढ़ावा देना चाहिए, विशेषकर शिक्षा एवं प्रशासनिक कार्यों में।

वैश्विक मंचों पर उपयोग: अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में हिंदी को आधिकारिक भाषा के रूप में मान्यता दिलाने के प्रयास होने चाहिए। *

हिंदी दिवस और संविधान में स्थान

हिंदी दिवस मनाने का इतिहास भारत के स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़ा है। 14 सितंबर 1949 को, भारतीय संविधान सभा ने हिंदी को भारत की आधिकारिक भाषा के रूप में अपनाया। यह निर्णय हिंदी को राष्ट्र की एकता के सूत्र के रूप में स्थापित करने के लिए लिया गया था। पहला हिंदी दिवस 1953 में मनाया गया। यह दिन हमें भाषा के महत्व और उसके संरक्षण की याद दिलाता है। भारतीय संविधान के भाग-17 में अनुच्छेद 343 से 351 तक राजभाषा संबंधी उपबंध हैं। अनुच्छेद 120 (संसद में प्रयोग की जाने वाली भाषा) भाग 17 में अनुच्छेद 348 के उपबंधों के अधीन रहते हुए, संसद में कार्य हिंदी में या अंग्रेजी में किया जाएगा। अनुच्छेद 343 (संघ की राजभाषा) संघ की राजभाषा हिंदी एवं लिपि देवनागरी होगी, संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग होने वाले अंकों का रूप भारतीय अंकों का अंतरराष्ट्रीय रूप होगा।

विचारणीय / लोकमित्र गौतम

इसे विडंबना ही कहना चाहिए कि जिस हिंदी को बोलने, जिसमें मनोरंजन करने में युवा पीढ़ी खूब आनंद लेती है, उसे ही लिखने और पढ़ने में असहज रहती है। हालांकि इसके लिए सिर्फ वही नहीं जिम्मेदार है। ऐसे में इस समस्या के निराकरण के लिए परिवार, समाज से लेकर व्यवस्था तंत्र को भी विचार करना होगा।

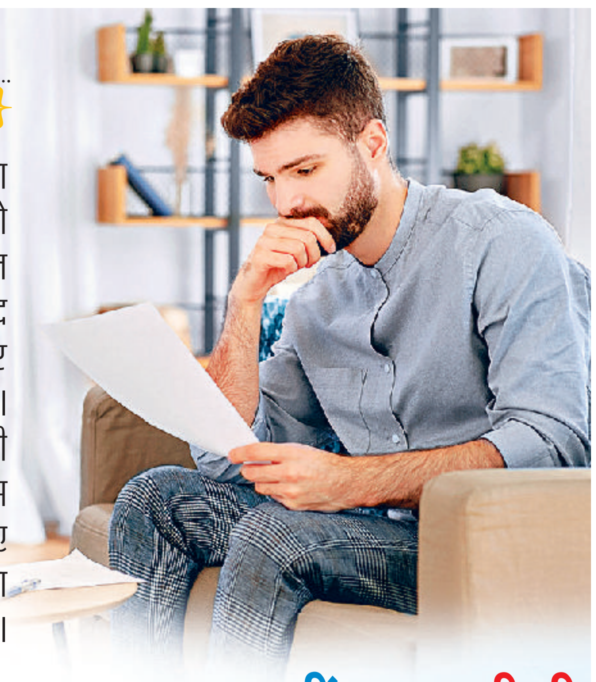

हिंदी को लेकर सहज नहीं युवा पीढ़ी

भारत की कुल आबादी में से 65 फीसदी से ज्यादा युवा हैं, जिनकी उम्र 35 साल या इससे कम है। इनमें से 60 से 65 फीसदी युवा फर्राटे से हिंदी बोलते-समझते हैं। ये आमतौर पर हिंदी फिल्में भी देखते हैं और ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी हिंदी के कार्यक्रम चाव से देखते हैं। मगर इनकी एक ऐसी कमजोरी है, जिस पर आम लोगों का यकायक ध्यान नहीं जाता। इनमें से करीब आधे युवा ऐसे हैं, जो हिंदी बोलते हैं, समझते हैं, लेकिन प्रवीणता से हिंदी पढ़ और लिख नहीं पाते। कुछ पढ़ते भी हैं तो सहजता से शुद्ध-शुद्ध नहीं पढ़ पाते।

आधी युवा आबादी है असहज: देश में हिंदी बोलने वाले करीब आधे युवा हिंदी में कतई सहज नहीं है। ऊपर से देखने में यह कोई बहुत बड़ी समस्या नहीं लगती। यहां तक कि हिंदी भाषी मां-बाप को भी अपने हिंदी लिख और पढ़ न पाने में असहज बच्चों से किसी तरह की भावनात्मक परेशानी नहीं होती, लेकिन सच बात यह है कि हिंदी की सबसे कमजोर कड़ी यही युवा पीढ़ी है, जो ऊपर से तो हिंदी में बहुत सहज दिखती है, मगर भीतर से हिंदी को लेकर बिल्कुल असहज है। दरअसल, यही वह पीढ़ी है, जो अप्रत्यक्ष रूप में हिंदी को मौखिक भाषा तक सीमित करने में लगी है।

शैक्षिक-सांस्कृतिक विडंबना: यह सचमुच हिंदी के साथ बड़ी भाषाई विडंबना है, क्योंकि हिंदी बोलने वाले, हिंदी पढ़ने वाले, हिंदी में मनोरंजन करने वाले युवा बाहरी तौर पर यह प्रभाव देते हैं कि जैसे वो हिंदी सेवी हों। पर वास्तव में वो हिंदी सेवी नहीं होते। दक्षिण भारत में खासकर बेंग्लुरु, चेन्नई में जिन उत्तर भारतीय युवाओं की पहचान हिंदीभाषी होने से है, वास्तव में ये हिंदीभाषी समझे जाने वाली युवा पीढ़ी का बड़ा हिस्सा भी उन्हीं की तरह हिंदी में असहज है। भले यह बाहरी तौर पर हिंदी वाले लगते हों, पर सचमुच में ये हिंदी वाले नहीं हैं, हिंदी को इनसे फायदा कम, नुकसान ज्यादा होता है, क्योंकि हिंदी बोलना, हिंदी में बातें करना, हिंदी में मनोरंजन करना, लेकिन हिंदी लिख और पढ़ न पाना या इसमें सहज न हो पाना, सिर्फ भाषाई समस्या नहीं है। यह सांस्कृतिक और शैक्षिक त्रासदी भी है।

नहीं है हिंदी की गहरी समझ: दक्षिण या पश्चिम भारत के बड़े शहरों में ही नहीं बल्कि उत्तर भारत के भी बड़े शहरों में ऐसे युवाओं की भरमार है। दिल्ली में भी 25 से 30 फीसदी ऐसे युवा हैं, जो बस हिंदी में बातें करते हैं, गाने सुनते हैं, वेब सीरीज देखते हैं, लेकिन सौ शब्दों का आवेदनपत्र हिंदी में नहीं लिख सकते। घंटों हिंदी में बहस करने वाले उस विषय पर एक पेज भी हिंदी में नहीं लिख पाते। यह इसलिए बड़ी समस्या है कि इससे हिंदी की असली समस्या पर पर्दा पड़ा रहता है। यह भ्रम बना रहता है कि हिंदी, बोलने, जानने और समझने वाले बहुत बड़ी तादाद में लोग हैं। लेकिन यह ऐसी ढोल के भीतर पोल वाली खोखली पीढ़ी है, जो न तो हिंदी का साहित्य जानती है, न कविता जानती है, न हिंदी के अखबार पढ़ती है और न ही हिंदी के ऐतिहासिक दस्तावेजों से ही इसका कोई परिचय है। ऐसे में भला यह पीढ़ी हिंदी का कैसे भला करेगी? यह तो उल्टा हिंदी में रह कर ही हिंदी को कमजोर करती है।

पहचान होती है मातृभाषा: अगर आप ऐसी पृष्ठभूमि से आते हैं कि आपके घर की भाषा यानी मातृभाषा हिंदी है और पढ़ाई और कामकाज की भाषा अंग्रेजी है, तो भले रोज के कामकाजी घंटों में आपको यह खुशफहमी रहती हो कि अपनी कमजोर हिंदी को लेकर आपमें किसी तरह की असहजता नहीं है, लेकिन वास्तविकता यह होती है कि अगर हम अपनी मातृभाषा को पढ़ने और लिखने में सहज नहीं होते तो हमारे अंदर एक स्वतः जन्मी हीन भावना हर समय रहती है। जो लोग अपनी मातृभाषा को सही से लिखना, पढ़ना नहीं जानते, उन्हें अपनी दुनिया के सांस्कृतिक और सामाजिक संदर्भों का भी पता नहीं होता। दिन रात अंग्रेजी पढ़ने वाले ज्यादातर भारतीय अंग्रेजी के मुहावरों, उसकी लोकोक्तियों में मौजूद गहरे सांस्कृतिक संदर्भों से कभी नहीं जुड़ पाते, इसलिए बहुत सी बातों को वो कभी भी गहराई से समझ नहीं पाते। हमें लिपि की कठिनाई का बहाना बनाकर अपनी भाषा से नहीं कटना चाहिए। एक बार अगर हम अपनी भाषा से कट गए, तो हम अपनी स्मृतियों से, पीढ़ीगत धरोहरों से और साहित्यिक विरासत से भी कट जाते हैं।

डिजिटल जीवनशैली का प्रभाव: इसमें आज की डिजिटल लाइफस्टाइल और बाहर के देशों से आने वाली तकनीकी का भी हाथ है। लेकिन इस आरोप से तो हम अपनी भाषा के साथ लगाव न रख पाने को सही नहीं ठहराते। माना कि डिजिटल युग में मोबाइल और सोशल मीडिया में रोमन लिपि में लिखे, पढ़े जाने का चलन है, जिससे देवनागरी की प्रैक्टिस खत्म होती है। लेकिन यह यूं ही स्वतः नहीं पैदा हो गया। इस स्थिति के पैदा होने में बकायदा सांस्कृतिक संदर्भों का योगदान है। आज जिस तकनीक का आप अपने जीवन में इस्तेमाल कर रहे हैं, वह किसी हिंदी भाषी ने नहीं विकसित की, वह इस तकनीक को हिंदी के अनुकूल क्यों विकसित करता? अतः हिंदी के साथ अपने सहज और आत्मीय रिश्ते आपको खुद ही रखने है, इसके लिए किसी तकनीकी कमी या उसके संकट को बहाना नहीं बना सकते। *

व्यंग्य / सूर्य कुमार पांडेय

हिंदी से हमें आशा है। हिंदी हमारी राजभाषा है। इसके स्मरण मात्र से पुलकित हो उठता हमारा अंग-अंग है। हिंदी हमारी मदर टंग है। मैं कहां तक करूं हिंदी की महिमा का बखान? हिंदी है सूर, तुलसी, मीरा, रसखान। इसीलिए हम इसकी पूजा करते हैं।

हिंदी हमारी मदर टंग है

मुझे हिंदी दिवस के एक कार्यक्रम में जाना पड़ा। मैं जैसे ही माइक के सामने हुआ खड़ा, आयोजक ने कहा, 'आज आपको हिंदी पर एक कविता जरूर सुनानी है।'

मैंने कहा, 'तो सुनिए, जो हिंदी की कहानी है। हिंदी समस्त भारतीय भाषाओं की रानी है। हिंदी का बड़ा सम्मान है। यह हमारी आन-बान-शान है। इस पर हमें गर्व है, दर्प है, अभिमान है। क्योंकि हिंदी महान है।

हिंदी से हमें आशा है। हिंदी हमारी राजभाषा है। इसके स्मरण मात्र से पुलकित हो उठता हमारा अंग-अंग है। हिंदी हमारी मदर टंग है। मैं कहां तक करूं हिंदी की महिमा का बखान? हिंदी है सूर, तुलसी, मीरा, रसखान। इसीलिए हम इसकी पूजा करते हैं। वर्ष भर पूजाघरों में मूर्तिवत सजाकर-संवार कर धरते हैं। इस भाषा में नहीं है कोई खोट। इसे साल के बाकी दिनों में तलाशो तो हिंदी वैसे ही मिला करती है, जैसे किसी माफिया के पूजाघर में रखे हुए नंबर दो के करेंसी नोट।

हिंदी हमारी अभिलाषा है। यह हमारी राजभाषा है। इसलिए इसकी पूजा करना हमारी मजबूरी है। जैसे आज की सियासत में अशालीन होना जरूरी है।

हिंदी का बड़ा महत्व है। हिंदी से हमें ममत्व है। हिंदी हमारे लिए वैसे ही है, जैसे गांव वालों के लिए मेला, जैसे मजदूरों के लिए ठेला और रैली में रेला। हिंदी हमारी शोभा है, हमारा अलंकार है। हिंदी हमारा अंतिम प्यार है। हिंदी का नाम लेते ही हमारे अधरों पर फूल खिलते हैं। हिंदी हमारे लिए इसलिए भी प्यारी है

क्योंकि हिंदी में मांगों तो वोट भी आसानी से मिलते हैं। इसीलिए तो हर राजनेता हिंदी के साथ दिखता है। अहिंदी भाषी सियासतदान भी हिंदी सीखता है।

हिंदी पर अब और कितना सुनाऊं मेरे भाई? हिंदी हमारे भाल की बिंदी है, और लोग हैं कि इतनी-सी बात समझ पाते नहीं कि मर्द बिंदी लगाते नहीं। तो आधी आबादी को छूट, बच गई आधी तो उसको भी है आजादी कि फैशन से फुर्सत हो तो बिंदी लगाएं। इस विदेशी कल्चर की क्यारी में हम कैसे हिंदी का प्लांट लगाएं? कहिए, आयोजक जी, अभी भी आपका मन नहीं भरा हो तो हम हिंदी पर और भी सुनाएं।'

आयोजक बोला, 'अब आप कृपापूर्वक जाएं और नेक्स्ट ईयर अगेन हिंदी पर ऐसी ही एक नई कविता लिखकर अवश्य लाएं।' *

लघुकथा / शीला श्रीवास्तव

हिंदी बनाम इंग्लिश

रिया बहुत देर से अपने कमरे में चहलकदमी कर रही थी। नमिता ने पूछा, 'क्या बात है बेटी, क्यों परेशान हो?'

'मेरे स्कूल में पैरेंट्स मीटिंग है, और पापा घर पर नहीं हैं।' रिया खीझे स्वर में अपनी मम्मी से बोली।

'अरे तो क्या हुआ? मैं हूं ना। मैं चलती हूं पैरेंट्स मीटिंग में।' मां बोलीं।

'आप तो रहने ही दें। आपको इंग्लिश बोलना कहां आती है? आप आएंगी तो मेरा स्कूल में मजाक ही बनेगा।' रिया का जवाब सुनकर मां स्तब्ध रह गई। इस बात के लिए वह अकसर अपने पति से भी खरी-खोटी सुनती थी, आज बेटी ने भी सुना दिया। कुछ दिनों बाद स्कूल में हिंदी दिवस के अवसर पर एक प्रतियोगिता का आयोजन होने वाला था, जिसका शीर्षक था, 'हिंदी बनाम इंग्लिश।' रिया जानती थी, मम्मी की हिंदी पर बहुत अच्छी पकड़ है। उसने पहले मम्मी से अपने पिछले बर्ताव के लिए मांफी मांगी फिर बोली, 'मम्मी, प्लीज आप मेरे लिए एक स्पीच लिख कर दे दीजिए।' मां पूरे मनोयोग से स्पीच लिखने में जुट गई। उसकी मेहनत रंग लाई। रिया को प्रथम पुरस्कार मिला। स्कूल से आते ही रिया अपनी मम्मी के गले लग गई, बोली, 'आपके लिखे स्पीच ने आज मुझे स्कूल में फेमस कर दिया। यू आर ग्रेट मम्मी! यह पुरस्कार मैं आपको समर्पित करती हूं।'

अपनी बेटी की नजरों में अपने लिए सम्मान देख मां की आंखें खुशी से छलक आईं। *

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आईये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ–

मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश ने डॉ. प्रमोद पहारिया को प्राईड ऑफ एम.पी. अवार्ड दिया।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

एक डिस्क लेवल के ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है?
स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 20000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक **विशेष मशीन** की निगरानी में किया जाता है।

NBC@

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन– सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली
देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समय: दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क – 7354858466
www.nonsurgicalspinecentre.in

स्पेशल: इंजीनियर्स डे, 15 सितंबर

पिछली सदी में हुए भारत के महान सिविल इंजीनियर एम. विश्वेश्वरैया की जयंती को इंजीनियर्स डे के रूप में मनाते हैं। इस अवसर पर हम आपको बता रहे हैं देश के अलग-अलग इलाकों में स्थित कुछ ऐसे निर्माणों के बारे में, जो इंजीनियरिंग की शानदार मिसाल पेश करते हैं। इनकी विशेषताओं के बारे में जानकर आप अचरज किए बिना नहीं रह पाएंगे।

देश में कई जगह मौजूद हैं इंजीनियरिंग के गौरवशाली प्रतीक

चिनाब पुल जम्मू-कश्मीर के रियासी में

बांद्रा-वर्ली सी लिंक मुंबई में

बेमिसाल

शिखर चंद जैन

अपने देश के अलग-अलग क्षेत्रों में निर्मित किए गए इंजीनियरिंग के ये नायाब नमूने हर किसी को हैरान कर देते हैं। ये गौरवशाली प्रतीक भारतीय इंजीनियरिंग की नई प्रगति का प्रतिनिधित्व करते हैं।

चिनाब रेलवे ब्रिज

जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में स्थित यह विश्व का सबसे ऊंचा रेलवे आर्च ब्रिज है। यह 359 मीटर ऊंचा है। अनूठा चिनाब ब्रिज पेरिस के एफिल टॉवर से भी 35 मीटर ऊंचा है। इसका निर्माण कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन और इंजीनियरिंग संस्थान आईआईएससी बेंगलुरु द्वारा किया गया है। आईआईटी दिल्ली और आईआईटी रुड़की ने इसकी भूकंप सहनशीलता का विश्लेषण किया, जबकि रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने इसके विस्फोट-प्रतिरोधी होने की पुष्टि की।

यह 8 तीव्रता तक के भूकंप के झटके, 40 टन टीएनटी तक का विस्फोट, -20 डिग्री सेल्सियस तक तापमान और 266 किमी. प्रति घंटा की गति वाली आंधी को सहन करने की क्षमता रखता है। दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे पुल माना जाने वाला चिनाब पुल, जम्मू और कश्मीर के रियासी जिले में बक्कल और कौरी के बीच स्थित है। यह उधमपुर, श्रीनगर, बारामुला रेलवे लिंक का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसका उद्देश्य जम्मू और कश्मीर को शेष भारत से जोड़ना है। इसके कारण क्षेत्र में कनेक्टिविटी काफी सुविधाजनक हो गई है।

स्टेच्यू ऑफ इक्वेलिटी

हैदराबाद (तेलंगाना) में स्थित यह विशाल प्रतिमा 11वीं शताब्दी के वैष्णव संत श्री रामानुजाचार्य की है। 5 फरवरी 2019 को, भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने इस प्रतिमा का अनावरण किया। यह प्रतिमा समानता, न्याय और करुणा के उस दृष्टिकोण का प्रतीक है, जिसका उपदेश श्री रामानुजाचार्य ने मानवता को दिया था। स्टेच्यू ऑफ इक्वेलिटी की ऊंचाई 216 फीट है, जो संयुक्त राज्य अमेरिका में स्थित स्टेच्यू ऑफ लिबर्टी के बाद दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी प्रतिमा है। यह मूर्ति एक विशेष कांस्य मिश्र धातु से बनी है, जिसे पंच धातु कहा जाता है।

इसमें श्री रामानुजाचार्य को बैठी हुई मुद्रा, कमल मुद्रा, पद्मासन और पारंपरिक मुद्रा में दर्शाया गया है, जो शांति और ध्यान दोनों का प्रतीक माना जाता है। यह प्रतिमा 54 फुट ऊंचे चबूतरे पर स्थापित है, जिस पर संग्रहालय और अनुसंधान केंद्र स्थित हैं। यह चबूतरा रामानुजाचार्य के संदेश के स्तंभों और आधुनिक विश्व में उनकी प्रासंगिकता का प्रतीक है। यह समाज में समानता और देश में एकता का प्रतीक भी है। इसके चारों ओर एक मंदिर परिसर और आगंतुकों के लिए एक उच्च-तकनीकी केंद्र है। यह प्रतिमा और परिसर इंजीनियरिंग के अद्भुत कौशल का प्रदर्शन करता है।

बांद्रा-वर्ली सी लिंक

मुंबई में रहने वाले बहुत से निवासी बांद्रा-वर्ली सी लिंक के जरिए यात्रा करते हैं। यह शानदार केबल-स्टेड ब्रिज भारत की आधुनिक इंजीनियरिंग विशेषज्ञता का एक अनुपम उदाहरण है। 5.6 किलोमीटर लंबा यह पुल बांद्रा और वर्ली के व्यस्त उपनगरों को जोड़ता है, जिससे शहर की भीड़-भाड़ वाली सड़कों पर सफर का समय कम हो जाता है। केबलों को थामे रखने वाले विशाल खंभे समुद्र तल से 128 मीटर ऊपर हैं। 66 फीट चौड़े इस ब्रिज पर आठ लेन में आवागमन होता है। वर्ष 2000 में इसका निर्माण शुरू हुआ और वर्ष 2010 में यह आम जनता के लिए खोल दिया गया।

पीर पंजाल अटल रेलवे सुरंग

वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा '10,000 फीट से ऊपर दुनिया की सबसे लंबी राजमार्ग सुरंग' के रूप में दर्ज, अटल सुरंग हिमाचल प्रदेश में मनाली-लेह राजमार्ग पर रोहतांग दर्रे के नीचे स्थित है। चुनौतीपूर्ण भू-भाग और जमा देने वाले तापमान में निर्मित, 9.02 किलोमीटर लंबी इस सुरंग को रोहतांग सुरंग के नाम से भी जाना जाता है। इसका निर्माण सर्दियों के महीनों में राजमार्ग के बंद होने की समस्या को दूर करने के लिए किया गया है, जिससे लाहौल और स्पीति अलग-थलग पड़ जाते थे। सुरंग के निर्माण से मनाली-केलांग मार्ग की दूरी 46 किलोमीटर कम हो गई है, जिससे इस दूरी की यात्रा का समय लगभग चार से पांच

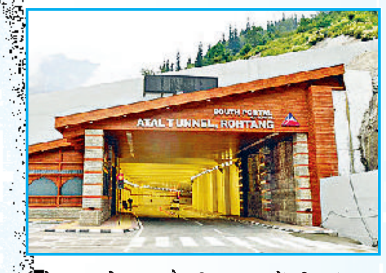

घंटे कम हो गया है। हिमालय में पीर पंजाल पर्वतमाला की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों को देखते हुए, इस सुरंग के निर्माण के लिए उत्कृष्ट तकनीकी और इंजीनियरिंग कौशल का उपयोग किया गया। यह प्रभावशाली परियोजना आधुनिक सिविल इंजीनियरिंग में भारत की विशेषज्ञता का गौरव है और भारत के सर्वश्रेष्ठ सिविल इंजीनियरिंग चमत्कारों में से एक है। *

धीरूभाई अंबानी इंटरनेशनल स्कूल

मुंबई, महाराष्ट्र में स्थित यह एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय स्कूल है। यहां वर्षाजल का संचयन और ऊर्जा संरक्षण सहित समकालीन वास्तुकला सुविधाएं मौजूद हैं। डिजाइन से संबंधित आधुनिक विशेषताओं के लिए इसे सर्वश्रेष्ठ स्कूलों में से एक माना जाता है क्योंकि यह स्थिरता के बारे में बहुत कुछ कहता है। स्कूल ने हाल ही में अत्याधुनिक सुविधाओं को शामिल किया है, जिसमें सौर पैनल और जल पुनर्चक्रण प्रणालियों सहित एडवांस्ड ग्रीन टेक्नोलॉजी का उपयोग किया गया है। अत्याधुनिक कक्षाएं और इंटरेक्टिव शिक्षण वातावरण एक सुव्यवस्थित परिसर में जोड़े गए हैं, जो पर्यावरणीय जिम्मेदारी के साथ शिक्षा में उत्कृष्टता पर जोर देते हैं। इंजीनियर्स के योगदान से ही इसका निर्माण संभव हो पाया है।

तेलंगाना राज्य का प्रसिद्ध लोक-महोत्सव बतकम्मा, महिलाओं के सम्मान और प्रकृति से जुड़ाव का प्रतीक पर्व है। भाद्रपद अमावस्या से शुरू होकर दुर्गाष्टमी तक नौ दिनों तक मनाए जाने वाले इस उत्सव के दौरान कला, संस्कृति और प्रकृति के आपसी जुड़ाव की निराली छटा दिखती है।

स्त्री सम्मान-प्रकृति प्रेम का प्रतीक लोक-महोत्सव बतकम्मा

सांस्कृतिक पर्व

सरिता सुराणा

हमारे देश में वर्ष भर त्योहारों का मेला लगा रहता है। सभी क्षेत्र, जाति और धर्म के लोग उत्साह-उमंग से विभिन्न पर्व मनाते हैं। लेकिन अलग-अलग राज्यों में भी अपने-अपने कुछ विशेष त्योहार मनाए जाते हैं। उन्हीं में से एक है बतकम्मा पर्व। इसे तेलंगाना राज्य की महिलाएं मनाती हैं।

वातावरण में लहराती हैं स्वर लहरियां

छिन्निमा बतकम्मा, छिन्नारक्का बतकम्मा,
दादी मां बतकम्मा, दामेरमुतक्कल बतकम्मा।

ऐसे गीतों की मधुर स्वर लहरियां जब वातावरण में गूंजने लगती हैं तो समझ आ जाता है कि बतकम्मा पर्व आ गया है और संपूर्ण तेलंगाना में मातृशक्ति के प्रति सम्मान और प्रकृति प्रेम का सैलाब उमड़ रहा है।

इस पर्व में एक प्रतीकात्मक पुष्पों की प्रतिमा बनाई जाती है, जिसे बनाने के लिए कई रंगों के फूलों का उपयोग किया जाता है। इसलिए इसे रंगों का त्योहार भी माना जाता है। पूरे तेलंगाना में यह बतकम्मा पर्व नौ दिनों तक मनाया जाता है। इसमें बहुत सुंदर तरीके से फूलों से अलग-अलग आकृतियां बनाई जाती हैं, इसमें प्रयोग किए जाने वाले ज्यादातर फूल आयुर्वेदिक दृष्टि से भी उपयोगी होते हैं। इसमें फूलों से सात परतों से मंदिर के गोपुरम जैसी आकृति बनाई जाती है। तेलुगु भाषा में बतकम्मा का मतलब होता है, देवी मां जिंदा हैं। इस दिन बतकम्मा को महागौरी के रूप में पूजा जाता है, यह पर्व स्त्रियों के सम्मान के रूप में मनाया जाता है।

कब मनाया जाता है: हिंदू पंचांग के अनुसार यह पर्व श्राद्ध पक्ष, भादो की अमावस्या, जिसे महालय अमावस्या भी कहते हैं, के दिन शुरू होता है और नवरात्र की अष्टमी के दिन खत्म होता है। ग्रेगोरियन कैलेंडर के अनुसार यह सितंबर-अक्टूबर महीने में मनाया जाता है। इस वर्ष यह पर्व 21 से 30 सितंबर तक मनाया जाएगा। यह मानसून के अंत में शुरू होकर शीत ऋतु के प्रारंभ तक मनाया जाता है।

ऐसे मनाते हैं पर्व: इस पर्व में फूलों से एक बड़े पर्वत जैसी आकृति बनाई जाती है। इसके सबसे ऊपरी भाग में हल्दी से गौरम्मा बनाकर उसे रखा जाता है। इस दौरान नाच-गाने का आयोजन किया जाता है। बतकम्मा का नाम बृहदाम्मा से ही उत्पन्न हुआ है। माना जाता है कि भगवान शिव-पार्वती को प्रसन्न करने के लिए यह त्योहार 1000 साल से उसी इलाके (वर्तमान तेलंगाना) में बड़ी धूमधाम से मनाया जा रहा है।

जताते हैं प्रकृति के प्रति आभार: वर्षा ऋतु में सभी जगह पानी का प्रवाह होता है। नदी, तालाब एवं कुएं पानी से भर जाते हैं। उसके बाद धरती पर फूलों के रूप में पर्यावरण में बहार आ जाती है। इसी कारण प्रकृति का धन्यवाद देने के लिए तरह-तरह के फूलों के साथ इस पर्व को मनाया जाता है। इस त्योहार को मनाने के लिए नव विवाहिताएं अपने मायके भी आती हैं। मान्यता है कि उनके जीवन में परिवर्तन लाने के लिए यह प्रथा शुरू की गई थी।

पर्व के शुरुआती पांच दिनों में महिलाएं अपने घर का आंगन स्वच्छ करती हैं और उसको गोबर से लीपा जाता है। सुबह जल्दी उठ कर उस आंगन में सुंदर-सुंदर मुग्गु बनाती हैं। कई जगह पर ऐप्पन से चौक बनाया जाता है, जिसमें सुंदर कलाकृति बनाई जाती है। चावल के आटे से बनी रंगोली का भी बहुत महत्त्व है। इस उत्सव में घर के पुरुष बाहर से नाना प्रकार के फूल एकत्र करते हैं, जिसमें सलोसिया, सेन्ना, मेरीगोल्ड, कमल, ककुर्बिता, कुकुमिस और बहुत से अन्य फूलों को एकत्रित किया जाता है। फूलों की तरह-तरह की परतें बनाई जाती हैं, उनके नीचे फूलों की पत्तियों से सजाया जाता है, इसे थंबलम के नाम से जाना जाता है। नौ दिन तक हर शाम महिलाएं और लड़कियां एकत्रित होकर नाचती, गाती हैं, ढोल बजाए जाते हैं। सब अपने-अपने बतकम्मा को लेकर आती हैं। इस दौरान महिलाएं पारंपरिक साड़ी, गहने पहनती हैं और लड़कियां लहंगा चोली पहनती हैं। सभी महिलाएं बतकम्मा के चारों ओर गोला बनाकर क्षेत्रीय भाषा में गीत गाती हैं। महिलाएं अपने परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली के लिए माता पार्वती से प्रार्थना करती हैं। अष्टमी पूजा के बाद बतकम्मा को तालाब के पानी में विसर्जित कर दिया जाता है। *

किसी भी ग्रह से टूटकर पृथ्वी पर गिरे उल्कापिंड उस ग्रह के इतिहास और उसकी संरचना को समझने में मदद करते हैं। इसका उपयोग गहनों एवं सजावटी वस्तुओं में भी किया जाता है। यही वजह है कि ग्रहों के इन टुकड़ों की कीमत बहुत अधिक होती है। जानिए इस बारे में विस्तार से।

महत्वपूर्ण और कीमती होते हैं ग्रहों से टूटकर गिरे उल्कापिंड

रोचक

अंजू जैन

हाल ही में मंगल ग्रह से आए एक उल्कापिंड, NWA 16788, की न्यूयॉर्क में 'गीक वीक 2025' नीलामी हुई है। यह उल्कापिंड पृथ्वी पर पाया गया अब तक का सबसे बड़ा मंगल ग्रह का टुकड़ा माना जाता है, जिसका वजन 24.5 किलोग्राम है। इसकी अनुमानित कीमत 15 से 30 करोड़ रुपए (लगभग 1.8 से 3.6 मिलियन अमेरिकी डॉलर) के बीच है।

क्या है NWA 16788: यह एक शर्गोटाइट उल्कापिंड है, जो मंगल ग्रह की भूगर्भीय संरचना के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी देता है। यह सहारा रेगिस्तान में पाया गया था और मंगल ग्रह की सतह से उत्पन्न हुआ माना जाता है। इसकी सतह पर लाल-भूरी फ्यूजन क्रस्ट है, जो अंतरिक्ष में इसकी यात्रा के दौरान उच्च तापमान के कारण बनी। यह मंगल ग्रह की मिट्टी से बना है और इसकी उम्र लगभग 74.2 करोड़ साल पुरानी बताई जाती है।

वैज्ञानिक महत्व: यह उल्कापिंड मंगल ग्रह के इतिहास और संरचना को समझने में मदद करता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह उस समय के मंगल ग्रह की सतह का हिस्सा हो सकता है, जब वहां पानी मौजूद था।

मूल्य और विशेषता: इसकी कीमत 15 से 30 करोड़ रुपए के बीच अनुमानित है, जो इसे अब तक के सबसे महंगे उल्कापिंडों में से एक बनाता है।

क्यों होते हैं इतने महंगे: ग्रहों या उल्काओं से टूट कर पृथ्वी पर गिरे टुकड़े, जिन्हें उल्कापिंड कहा जाता है, कई कारणों से महंगे होते हैं। इनमें शामिल हैं-

दुर्लभता: उल्कापिंड अंतरिक्ष से पृथ्वी पर बहुत कम मात्रा में पहुंचते हैं। इनमें से कुछ विशेष प्रकार, जैसे चंद्रमा या मंगल ग्रह से आए उल्कापिंड, अत्यंत दुर्लभ होते हैं, जिससे उनकी कीमत बढ़ जाती है।

वैज्ञानिक महत्व: उल्कापिंड ग्रहों की उत्पत्ति के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करते हैं। वैज्ञानिक इनका अध्ययन ग्रहों की भौतिक-रासायनिक संरचना और प्राचीन इतिहास को समझने के लिए करते हैं, जिससे इनकी मांग बढ़ती है।

सौंदर्य और संग्रहणीयता: कुछ उल्कापिंडों में अनोखे पैटर्न (जैसे विडमैनस्टेटेन पैटर्न) या रंग होते हैं, इस कारण इनका उपयोग गहनों या सजावटी वस्तुओं के निर्माण में भी किया जाता है।

उत्पत्ति: चंद्रमा, मंगल या विशिष्ट क्षुद्रग्रहों से आए उल्कापिंड अत्यंत मूल्यवान होते हैं, क्योंकि ये पृथ्वी के बाहर की सामग्री होते हैं। उल्कापिंडों को खोजने, पुनर्प्राप्त करने और उनकी प्रामाणिकता सत्यापित करने में समय, संसाधन और विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है।

सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व: कुछ संस्कृतियों में उल्कापिंडों को पवित्र माना जाता है, जैसे भारत में कुछ प्राचीन मंदिरों में रखे गए उल्कापिंड।

ग्रहों के टुकड़ों के प्रकार: ग्रहों से टूट कर पृथ्वी पर गिरे टुकड़ों के कई प्रकार होते हैं, जैसे-

उल्का पिंड: जब उल्का पृथ्वी के वायुमंडल से गुजर कर सतह पर पहुंचती है, तो उसे उल्कापिंड कहते हैं।

उल्का: अंतरिक्ष से पृथ्वी की ओर आने वाला पदार्थ जो वायुमंडल में जलता है और 'टूटता तारा' जैसा दिखता है।

क्षुद्रग्रह: अंतरिक्ष में चक्कर लगाने वाले बड़े चट्टानी पदार्थ, जिनके टुकड़े उल्कापिंड के रूप में पृथ्वी पर गिर सकते हैं।

चंद्र उल्का पिंड: चंद्रमा से उत्पन्न होने वाले उल्का पिंड।

मंगल उल्का पिंड: मंगल ग्रह से आए उल्कापिंड।

पैलासाइट: लोहे और सिलिकेट खनिजों से बने विशेष उल्का पिंड, जो अकसर सुंदर क्रिस्टल पैटर्न दिखाते हैं।

कोन्ड्राइट: सबसे आम उल्कापिंड, जिनमें सौरमंडल की प्राचीन सामग्री होती है।

इनके अलावा भी विभिन्न ग्रहों से टूटकर गिरे टुकड़ों या उल्कापिंडों के अलग-अलग कई प्रकार एवं अलग-अलग नाम होते हैं।

अब हम आपको अब तक मिले कुछ बेहद महत्वपूर्ण उल्कापिंड और उनकी कीमत के बारे में बताते हैं।

होबा उल्कापिंड: नामीबिया में 1920 ई. में पाया गया लगभग 60 टन वजनी यह उल्कापिंड अब तक का ज्ञात सबसे बड़ा एकल उल्कापिंड है। इसका बाजार मूल्य निर्धारित नहीं है, क्योंकि यह वहां की राष्ट्रीय संपत्ति है, लेकिन इसकी कीमत अरबों रुपए हो सकती है।

फुकांग पैलासाइट: साल 2000 में चीन में पाया गया यह उल्का पिंड पैलासाइट (लोहा और ओलिवाइन क्रिस्टल) कैटेगरी का है। यह अपने सुंदर क्रिस्टल पैटर्न के लिए प्रसिद्ध है। इस उल्कापिंड के इसके छोटे टुकड़ों की कीमत 20 से 50 डॉलर प्रति ग्राम तक हो सकती है।

चेल्याबिंस्क उल्कापिंड: साल 2013 में रूस में गिरा साधारण कोन्ड्राइट प्रकार का यह उल्का पिंड एक खास वजह से प्रसिद्ध है। दरअसल, 2013 में इसके गिरने से एक बड़ा विस्फोट हुआ था, जिसने इसे विश्व प्रसिद्ध बनाया। इसके टुकड़ों की कीमत 1 से 10 डॉलर प्रति ग्राम तक रही है।

नखला उल्कापिंड: मिस्र में साल 1911 में गिरा यह उल्कापिंड मंगल ग्रह से गिरे होने की पुष्टि वाला पहला उल्कापिंड है। इसकी कीमत प्रति ग्राम 100 से 300 डॉलर तक तक हो सकती है।

एलेंडे उल्कापिंड: मैक्सिको में 1969 ई. में गिरे कार्बोनेशियस कोन्ड्राइट प्रकार के इस उल्कापिंड में सौरमंडल की सबसे प्राचीन सामग्री और कार्बनिक यौगिक पाए गए हैं, जो जीवन की उत्पत्ति के अध्ययन के लिए महत्वपूर्ण हैं। इसकी कीमत प्रति ग्राम 1 से 5 डॉलर अनुमानित है। लेकिन इसके दुर्लभ टुकड़ों की कीमत अधिक हो सकती है। *

बॉलीवुड फिल्मों की बात करें तो शुरुआत से लेकर अब तक की फिल्मी संवाद की भाषा हिंदी में अनेक परिवर्तन देखने को मिलते हैं। हर अदाकार अपने अंदाज में हिंदी तो बोलता ही है, समय और पीढ़ी के अनुसार भी इसमें बदलाव आते रहे हैं। इन बदलावों पर एक नजर।

पहले के दौर से कितनी बदली बॉलीवुड फिल्मों की हिंदी

'राजी' में आलिया भट्ट के संवाद रहे असरदार

क्षेत्रीय प्रभाव से मुक्त हैं 'गुड लक जेरी' के संवाद

सिने संवाद

डी.जे. नंदन

अगर आप हिंदी फिल्मों के शौकीन हैं तो बॉलीवुड फिल्मों में बोली जाने वाली आज की हिंदी में पिछली सदी के पचास, साठ, सत्तर और अस्सी के दशकों की बॉलीवुड फिल्मों में बोली जाने वाली हिंदी से कुछ अंतर महसूस करते होंगे। क्या फर्क है तब और अब की फिल्मों की हिंदी में, एक दृष्टि डालते हैं।

बीते दौर की बॉलीवुड फिल्मों में हिंदी: पिछली सदी के सत्तर और अस्सी के दशक के एक्टर्स की बात करें तो अमिताभ बच्चन की हिंदी बहुत समृद्ध थी, साथ ही उसमें हमेशा 'संवाद अदायगी' का एक मंचीय असर दिखता था। उनसे पूर्व दिलीप कुमार के संवाद इतने अधिक अभिनय केंद्रित हुआ करते थे कि दर्शक डायलॉग्स को सुनने की बजाय देखने लगता था। दिलीप कुमार के संवादों में हिंदी-उर्दू मिश्रित भाषा देखने को मिलती है।

'उधम सिंह' में विक्की कौशल

ऐसे ही अभिनेता राजकुमार की संवाद अदायगी में उर्दू-शैली का असर दिखता था, जो उनकी अभिजातीय छवि का हिस्सा बनता था। उदाहरण के तौर पर फिल्म 'पाकीजा' में उनकी संवाद अदायगी को देखा जा सकता है। अपने जमाने में राजेश खन्ना या शत्रुघ्न सिन्हा जैसे अभिनेता अकसर अपने मूल क्षेत्रीय लहजों को पूरी तरह छोड़े बिना हिंदी बोलते थे। यह उस दौर में 'स्वाभाविक' ही माना जाता था।

अपने दौर की बेहतरीन अभिनेत्री स्मिता पाटिल भाषा को साधने में माहिर थीं। वह बहुत अच्छी हिंदी बोलती थीं। उनके द्वारा बोले गए संवाद बहुत गूंजदार, ठहराव से भरे होते थे। उनके संवादों में लयात्मकता होती थी और इसमें कविताई का आभास होता था। समग्रता में देखा जाए तो पिछली सदी के 70 और 80 के दशक में अभिनेता हिंदी को एक खास छंद, ठहराव और 'दबाव' के साथ बोलते थे। यह एक 'शास्त्रीय लहजा' था, जो दिलीप कुमार, अमिताभ बच्चन, शबाना आजमी, स्मिता पाटिल आदि कलाकारों की संवाद अदायगी में दिखता था।

आज के फिल्मों की हिंदी: हर दौर की अपनी एक अलग भाषा, संवाद का एक अलग सलीका होता है। यह बात हिंदी फिल्मों पर भी लागू होती है। आज की फिल्मों की हिंदी पहले की फिल्मों से बेहतर भले न हो, यह पहले की तुलना में अलग जरूर है और असरदार भी। आज फिल्मों में बोली जाने वाली हिंदी ज्यादा लचीली, संवादधर्मी और ग्लोबल शहरी अनुभव से जुड़ी है। यह किसी खास उच्चारण और लहजे में नहीं बोली जाती बल्कि यह हमारे-आपके जैसे सामान्य लोगों की तरह ही बोली जाती है।

हिंदी बोलने में दिखता है आत्मविश्वास: आज की पीढ़ी के अभिनेता और अभिनेत्रियां हिंदी को पूरे आत्मविश्वास से बोलते हैं। उदाहरण के तौर पर फिल्म 'सरदार उधम सिंह' के संवाद 'जो लहू नहीं खौला, वो लहू नहीं...' को देखा जा सकता है। फिल्म में विक्की कौशल पूरे आत्मविश्वास और गहराई के साथ हिंदी बोलते हैं। न संवादों में कोई बनावट, न हिचक। फिल्म के संवादों के उच्चारण में हिंदी की शुद्धता भले गायब हो, लेकिन हिंदी के लिए गर्व और सहजता यहां साफ देखा जा सकता है।

दिखता है सहज भाषाई प्रवाह: आज की बॉलीवुड फिल्मों में सहज भाषाई प्रवाह दिखता है। इसका एक खूबसूरत उदाहरण आलिया भट्ट की फिल्म 'राजी' है। इस फिल्म में एक कश्मीरी लड़की की भूमिका निभाते हुए आलिया ने जिस तरह की हिंदी बोली है, उसमें पानी जैसा बहाव है। कोई भी शब्द या संवाद अतिरिक्त जोर देकर नहीं बोला गया था, फिर भी ये असरदार थे।

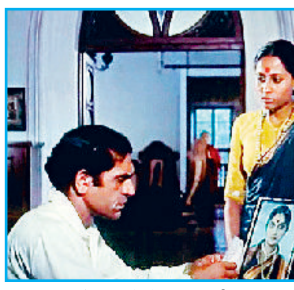
भाषा को साधने में माहिर थीं स्मिता पाटिल

क्षेत्रीय प्रभाव से मुक्त हिंदी: आज के दौर की फिल्मों में बोली जाने वाली हिंदी की एक और खास बात यह है कि आज के ज्यादातर अभिनेताओं और अभिनेत्रियों का उच्चारण और लहजा क्षेत्रीयता से मुक्त है। उदाहरण के तौर पर जान्हवी कपूर की 'गुड लक जेरी' को देखा जा सकता है। फिल्म में जान्हवी को बिहारी-पंजाबी पृष्ठभूमि का दिखाया गया है, फिर भी उनका उच्चारण क्षेत्रीयता से मुक्त 'न्यूट्रल शहरी हिंदी' जैसा है।

कैजुअल फ्लुएंसी पर जोर: आज के अभिनेताओं को मंचीय प्रशिक्षण, स्क्रिप्ट वर्कशॉप्स और संवाद को स्वाभाविक बनाने की ट्रेनिंग मिलती है। आज के दौर में संवाद अदायगी की नाटकीय शैली के स्थान पर रोजमर्रा की जिंदगी में बोली जाने वाली हिंदी और इसकी कैजुअल फ्लुएंसी पर जोर दिया जाता है। विक्की कौशल, राजकुमार राव, तापसी पन्नू, भूमि पेडनेकर, ये सभी संवादों में हिंदी को आत्मसात करके बोलते हैं। ये हिंदी को 'परफॉर्म' नहीं करते, बल्कि 'जीते' हैं।

कुल मिलाकर, फिल्मों में आज की पीढ़ी की हिंदी ज्यादा कैजुअल, लचीली और वास्तविक जिंदगी से जुड़ी लगती है। पहले के फिल्मों की हिंदी भाषा में 'भाषाई सौंदर्य' था, आज के फिल्मों की हिंदी में 'संवादिक सहजता' है। *